कार्तिक शुक्ल पक्ष -8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 130 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
17 नवंबर 2026
मंगलवार

आज का मौसम
31.4 अधिकतम
13.8 न्यूनतम


Page-7

न्यूज विंडो

कांग्रेस ने यूपी-पंजाब समेत 5 राज्यों के लिए स्क्रीनिंग कमेटी बनाई

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनाव वाले राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के लिए स्क्रीनिंग कमेटियां बनाई हैं। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी के प्रमुख अजय माकन होंगे, जबकि पंजाब में सिरिवेल्ला प्रसाद होंगे। उत्तराखंड में दीपा दासमुंशी, गोवा में केजे जॉर्ज और मणिपुर में बीएम संदीप कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी के प्रमुख बनाए गए हैं। ये नियुक्तियां चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की तारीखों की घोषणा से काफी पहले की गई हैं। इन पांचों राज्यों में चुनाव अगले साल की शुरुआत में होने हैं।

सॉफ्टवेयर बग ने कामकाज रोका ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं अटकीं



वाशिंगटन। अमेरिका में लाखों लोगों की ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं अटक गईं। देश के सबसे बड़े बैंक जेपीमॉर्गन चेस के सिस्टम में आए सॉफ्टवेयर बग ने चेस के साथ-साथ बैंक ऑफ अमेरिका, वेल्स फार्गो, यूएस बैंक और जेल के कस्टमर्स को भी परेशान कर दिया। लोगों को ऑनलाइन अकाउंट खोलने, बैलेंस देखने, पेमेंट भेजने और ट्रांजेक्शन पूरा करने में दिक्कत हुई। कई लोगों को चेस ऐप में मैसेज मिला- 'कुछ सेवाएं अभी उपलब्ध नहीं हैं, हम उन पर काम कर रहे हैं। कृपया कुछ देर बाद ट्राय करें। 'चेस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उसके अंदरूनी हार्डवेयर सिस्टम में सॉफ्टवेयर बग के कारण लेनदेन में देरी हुई। अधिकारियों ने बताया कि यह साइबर हमला नहीं है।

सागर में अवैध शराब का खेल जारी, 4 लाख की 59 पेटियां जब्त

सागर। जहरीली और अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने बंडा क्षेत्र के ग्राम मझगुआ में एक बंद मकान से 59 पेटी देशी और विदेशी शराब जब्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 4,01,680 रुपये बताई गई है जानकारी के अनुसार सहायक आबकारी आयुक्त वंदना पांडे के निर्देशन में टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम मझगुआ में नितिन उर्फ शालू लोधी के बंद मकान पर दबिश दी। मकान का ताला तोड़कर तलाशी लेने पर वहां से 5 पेटी मैकडॉवेल नंबर-1 व्हिस्की, 19 पेटी मैकडडावेल नंबर-1 रम, 2 पेटी सागर गोल्ड व्हिस्की और 33 पेटी देशी मसाला शराब बरामद हुई। कुल 59 पेटियों में 531 बल्क लीटर शराब रखी हुई थी।

फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामला... आजम को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में



समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट से मिली राहत बरकरार रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने आज इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की अपील खारिज कर दी है। दरअसल हाईकोर्ट ने इस मामले में आजम खां की सजा पर रोक लगा दी थी। यूपी सरकार ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

आज का कार्टून



आसियान-भारत समिट...भारत की तरक्की से आसियान देशों को भी फायदा

दुनिया को शांति, स्थिरता और बेहतर भविष्य की उम्मीद- मोदी

मनीला, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान-भारत सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ साल में दुनिया ने कई संकट देखे हैं। ऐसे में आज दुनिया को शांति, स्थिरता और बेहतर भविष्य की उम्मीद सबसे ज्यादा है। मोदी आज शाम क्वाड देशों के नेताओं की बैठक में शामिल होंगे।

आज शाम क्वाड देशों के नेताओं की बैठक

इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज भी मौजूद रहेंगे। करीब दो साल बाद क्वाड देशों के नेताओं की यह पहली बैठक होगी। ट्रम्प के दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद यह पहली क्वाड समिट भी है। इससे पहले सितंबर 2024 में अमेरिका के डेलावेयर में क्वाड नेताओं की बैठक हुई थी।

आसियान-भारत सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा कि भारत का विकास और आसियान देशों की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। भारत की तरक्की से आसियान देशों को भी फायदा होगा और आसियान की समृद्धि भारत के विकास को गति देगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 और आसियान का 2045 का विजन दोनों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मोदी ने बताया कि 2014 से भारत ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए 100 से ज्यादा पहल की हैं। करीब 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट शुरू किए और कौशल विकास के लिए 10 हजार से ज्यादा छात्रवृत्तियां दी हैं।

100 साल पुराने गुरुद्वारे में पीएम ने टेका मत्था



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज फिलीपींस की राजधानी मनीला में ऐतिहासिक खालसा दीवान गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी, मत्था टेका और गुरुद्वारे में आयोजित अरदास में हिस्सा लिया।

भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी

भारत के लिए आसियान दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ व्यापार और सुरक्षा बढ़ाने का बड़ा जरिया है। भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का मकसद भी इन देशों के साथ रिश्ते मजबूत करना है। भारत चाहता है कि इन देशों के साथ व्यापार बढ़े, सड़क और समुद्री रास्ते बेहतर हों और सुरक्षा के मुद्दों पर मिलकर काम किया जाए। हिंद-प्रशांत इलाके में शांति बनाए रखना भी भारत की प्राथमिकता है। भारत और आसियान ने 2026 को समुद्री सहयोग वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है।

पांच महीने बाद मोदी-ट्रंप मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में क्वाड बैठक के दौरान आमने-सामने होंगे। दोनों नेताओं की आखिरी मुलाकात 17 जून को फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। यानी करीब पांच महीने बाद उनकी यह पहली प्रत्यक्ष मुलाकात होगी। इस दौरान भारत-अमेरिका व्यापार समझौते, अमेरिकी टैरिफ, भारतीय बाजार में अमेरिकी उत्पादों की पहुंच और ऊर्जा सहयोग पर चर्चा संभव है। रूस से भारत के कच्चे तेल आयात का मुद्दा भी उठ सकता है। रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा पर भी बातचीत होगी।

उत्तराखंड में दो बड़े हादसे

टिहरी गढ़वाल के गूलर में पुल से गिरी बस, 13 की मौत



टिहरी, एजेंसी। हरिद्वार से कर्णप्रयाग जा रही यात्रियों से भरी बस आज सुबह गूलर के पास हादसे का शिकार हो गई। बस पुल से करीब 100 मीटर नीचे गदेरे में जा गिरी। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। नौ लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। जबकि चार घायलों की ऋषिकेश एम्स पहुंचने में मौत हो गई। गूलर बाजार के समीप हुए इस हादसे के समय बस में करीब 30 से 35 लोग सवार थे। बताया गया कि विश्वनाथ सेवा की यह बस सुबह 3:30 बजे हरिद्वार से रवाना हुई थी। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर बस दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट ब्यासी और ढालवाला की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

रुद्रप्रयाग में बारातियों की कार खाई में गिरी, 4 की गई जान

इधर रुद्रप्रयाग जिले की क्यूंजा घाटी में दूसरा सड़क हादसा हुआ। पोखरी में शादी समारोह में शामिल होने के बाद लौट रही बारातियों की मैक्स/बोलेरो गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस और बचाव दल ने राहत कार्य शुरू किया। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हुए हैं। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट में आज एसआईआर से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष लगातार हमलावर है। सुप्रीम कोर्ट आज चुनाव आयोग और एसआईआर से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है।



सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक दो पिटीशन दायर कर चुका है। पहली याचिका 12 अक्टूबर तो दूसरी याचिका 16 नवंबर को दायर की गई थी। सोमवार को दायर याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों से 48 सवाल पूछने की इजाजत मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर को होने वाली सुनवाई स्थगित कर दी थी। इससे एक दिन पहले यानी 26 अक्टूबर को चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया था।

आदमपुर कचरा खंती... सुप्रीम कोर्ट आज सुनेगा याचिका

भोपाल। राजधानी की आदमपुर कचरा खंती केस को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। पर्यावरणविद् डॉ. सुभाष सी. पांडे ने अपनी याचिका में कहा है कि भोपाल नगर निगम सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 का पालन नहीं कर रहा। यहां से कचरा नहीं हटा है। आग लगने की घटनाएं बार-बार हो रही है।

यह मामला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल से जुड़ा है। पर्यावरणविद् डॉ. पांडे ने आदमपुर खंती में आग लगने की घटनाओं को लेकर एनजीटी में मार्च 2023 में याचिका दाखिल की थी। इस पर 31 जुलाई-23 को नगर निगम पर 1 करोड़ 80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था।

मुख्यमंत्री मोहन यादव और हेमंत खण्डेलवाल शामिल हुए

उज्जैन में भाजपा की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ यात्रा

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

भाजपा के देशव्यापी अभियान 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के तहत आज उज्जैन में पदयात्रा निकाली गई । यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सांदीपनी चौराहे पर पहुंचकर समाप्त हुई। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल प्रमुख रूप से शामिल हुए। पदयात्रा से पहले शहीद पार्क में सभा आयोजित की गई ।



पदयात्रा के लिए उज्जैन पहुँचने पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का स्वागत किया गया।

भाजपा के इस अभियान का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास मजबूत करना है। पार्टी का कहना है कि चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और विश्वसनीयता पर सवाल उठाने वाली विपक्षी राजनीति के खिलाफ जनता को जागरूक करना जरूरी है। समाज में भ्रम तथा अस्थिरता फैलाने वाली अराजक मानसिकता को उजागर करना और कानून के शासन को सर्वोपरि बनाए रखने का संदेश देना भी अभियान का उद्देश्य है।

इमरान खान की जजों को चिट्ठी...कहा- जेल में हैमरेज या हार्ट अटैक से मर जाऊंगा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश की तीन बड़ी अदालतों के जजों को चिट्ठी लिखकर अपने और पत्नी बुशरा बीबी के इलाज की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन हेमरेज और हार्ट अटैक पड़ने के खतरे की चेतावनी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जेल में उन्हें रोज 22-22 घंटे अकेले रखा जा रहा है। यह चिट्ठी पाकिस्तान की फेडरल कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को भेजी गई है।



उन्होंने कहा कि उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है और उन्हें डर है कि वे जेल से जिंदा नहीं लौट पाएंगे। इमरान तोशखाना केस में अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। उनसे मुलाकात के लिए उनकी बहनों ने आंदोलन भी किया था।

तूफान के असर से भोपाल-इंदौर में धुंध रहेगी; सर्दी बढ़ेगी

एमपी के 9 जिलों में 20 नवंबर को आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल। बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवात की वजह से प्रदेश में 20 नवंबर को आंधी-बारिश का अलर्ट है। दक्षिण-पूर्वी हिस्से के 9 जिलों में 30 से 40किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चलेगी। उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में बारिश हो सकती है। हालांकि, इससे पहले ही भोपाल समेत कई जिलों में बादल छा रहे हैं।

मौसम केंद्र के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन और तूफान से एमपी में भी मौसम बदल रहा है। 20 नवंबर को ज्यादा असर रहेगा। आज से बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान के तीव्र होने की संभावना है।

मेट्रो एंकर

भारतीय सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी कारोबारी उपलब्धि

बॉक्स ऑफिस का नया इतिहास, 2026 में कमाई 13,775 करोड़ के पार

मुंबई, एजेंसी

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के लिए साल 2026 बॉक्स ऑफिस के लिहाज से बेहद खास साबित हो रहा है। फिल्मों की लगातार शानदार कमाई ने भारतीय सिनेमा को अब तक की सबसे बड़ी कारोबारी उपलब्धि दिला दी है। साल खत्म होने में अभी डेढ़ महीने से ज्यादा का समय बाकी है, लेकिन भारतीय बॉक्स ऑफिस ने 2025 की कुल कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब 2026 भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाला साल बन गया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 नवंबर 2026 तक भारतीय बॉक्स ऑफिस का कुल ग्रॉस कलेक्शन 13,775 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, 2025 में फिल्मों ने कुल 13,350 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इस तरह मौजूदा साल में पिछले साल के मुकाबले 425 करोड़ रुपये ज्यादा की कमाई हो चुकी है। खास बात यह है कि यह रिकॉर्ड साल खत्म होने से करीब 45 दिन पहले ही बन गया है।

'धुरंधर 2' और 'रामायण' का रहा जलवा



इस साल की सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्मों में रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2: द रिवेंज' का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर करीब 1,375 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। वहीं, रणबीर कपूर की मेगा बजट फिल्म 'रामायण' भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 16 नवंबर तक फिल्म का दुनियाभर में ग्रॉस कलेक्शन करीब 1,437 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। दिवाली पर रिलीज हुई इस फिल्म ने थिएटर कारोबार को नई गति दी है। इसके अलावा हॉलीवुड की 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' ने भारत में करीब 599.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। रजनीकांत की 'जेलर 2' का ग्रॉस कलेक्शन लगभग 555.25 करोड़ रुपये रहा, जबकि 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' ने करीब 455.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

लगातार बढ़ रहा कारोबार

पिछले कुछ वर्षों के बॉक्स ऑफिस आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय फिल्म बाजार में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली है। साल 2023 में फिल्मों का कुल ग्रॉस कलेक्शन करीब 11,500 करोड़ रुपये था। 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 11,835 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद 2025 में भारतीय बॉक्स ऑफिस ने 13,350 करोड़ रुपये का कारोबार किया। अब 2026 में 13,775 करोड़ रुपये की कमाई के साथ नया इतिहास रच दिया है। इस शानदार प्रदर्शन में बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा और हॉलीवुड फिल्मों का बड़ा योगदान रहा है। अलग-अलग भाषाओं और जॉनर की फिल्मों को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।भाषा के आधार पर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन देखें तो हिंदी फिल्मों और उनके डब वर्जन की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। कुल इंडिया नेट कलेक्शन में हिंदी सिनेमा का योगदान करीब 44 फीसदी बताया गया है।

दिवाली के बाद अब फिर बाजार में बहार...20 नवंबर को योगनिद्रा से जागेंगे जगन्नाथ और इस साल 12 दिन घरों में गूंजेंगी शहनाइयां, लोगों ने शुरू की खरीदारी

देवउठनी एकादशी से शादियों का सीजन, राजपूताना साड़ियों की बढ़ी डिमांड

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भगवान विष्णु के चार महीने की योगनिद्रा से जागने के साथ ही 20 नवंबर से विवाह समारोहों का सीजन शुरू हो जाएगा। देवउठनी एकादशी से विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू होने जा रहे हैं। जिन घरों में शहनाइयां गूंजने वाली हैं, वहां तैयारियां तेज हो गई हैं। इसका असर न्यू मार्केट, एमपी नगर, चौक बाजार, 10 नंबर मार्केट और संत हिरदाराम नगर के बाजारों में दिखाई देने लगा है। कपड़ों, साड़ियों, लहंगों से लेकर बर्तनों तक की खरीदारी बढ़ गई है। नवंबर व दिसंबर में विवाह के 12 शुभ मुहूर्त हैं, जबकि जनवरी, फरवरी और मार्च में भी लगातार मुहूर्त होने से कुल 37 दिन शादियां होंगी। इसे देखते हुए मैरिज गार्डन, शादी हॉल, रिसोर्ट और होटल मार्च तक बुक हो चुके हैं। वहीं, कपड़ा व्यापारियों ने भी दूल्हा-



बाजार में दूल्हा और दुल्हन के लिए विशेष रेंज, इरोड सिल्क की मांग ज्यादा

दुल्हन के लिए रेंज और नए कलेक्शन तैयार किए हैं। बाजार में राजपूती साड़ी, इरोड सिल्क प्योर घरचोला साड़ी और खड्डी जॉर्जेट साड़ी की अधिक मांग है। नेट वर्क वाले हैवी डिजाइनर स्टिच्ड ब्लाउज भी ग्राहकों को पसंद आ रहे हैं। विवाह समारोहों को देखते हुए व्यापारियों ने दूल्हा-दुल्हन के लिए कपड़ों की विशेष रेंज उपलब्ध कराई है। दूल्हों के लिए सूट, शेरवानी, कुर्ता-पायजामा और दुल्हनों के लिए लहंगा-चुन्नी सहित कई तरह के डिजाइन और वैरायटी बाजार में मौजूद हैं। दुल्हनों के लहंगों की मांग अधिक है। व्यापारी भी ग्राहकों की पसंद को देखते हुए नए डिजाइन और पर्याप्त स्टॉक रख रहे हैं। वहीं, शादी की खरीदारी के लिए पहुंच रहे परिवारों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

रिसोर्ट, गार्डन, होटल चल रहे मार्च तक बुक

विवाह सीजन को देखते हुए शहर के मैरिज गार्डन, शादी हॉल, रिसोर्ट और होटलों में भी बुकिंग का सिलसिला तेज हो गया है। कई स्थानों पर मार्च तक की बुकिंग हो चुकी है। परिवारों ने विवाह की तैयारियों के लिए कपड़ों से लेकर घरेलू सामान तक की खरीदारी शुरू कर दी है। संत हिरदाराम नगर के कपड़ा और बर्तन बाजार में आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में ग्राहक पहुंच रहे हैं। यहां के व्यापारी करीब 200 किलोमीटर के दायरे में कारोबार करते हैं।

नवंबर-दिसंबर में 12 विवाह मुहूर्त, मार्च तक 37 दिन तारीखें

ज्योतिषाचार्य पं. कपिल भंवरलाल शर्मा के अनुसार, 20 नवंबर से विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू होंगे। नवंबर में 20, 21, 24, 25 और 26 को विवाह मुहूर्त हैं। वहीं दिसंबर में 2, 3, 5, 9, 10, 11 और 12 को शुभ मुहूर्त रहेंगे। जनवरी 2027 में 18, 19, 20, 26, 27, 28, 29 और 31 तारीख, फरवरी में 2, 9, 10, 11, 16, 20, 22, 25 और 27 तारीख तथा मार्च में 1, 2, 3, 4, 9, 10, 14 और 15 तारीख को विवाह के शुभ मुहूर्त हैं।

कपड़ा और सराफा बाजार रोशन

कपड़ा व्यापारी विनीत जैन का कहना है कि विवाह सीजन को देखते हुए बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। दुल्हनों के लिए लहंगों की अधिक मांग है। ग्राहकों को एक से बढ़कर एक वैरायटी उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं, कपड़ा कारोबारी वासुदेव वाधवानी की मानें तो दिवाली से ही बाजार में ग्राहकों की चहल-पहल बनी हुई है। विवाह के मुहूर्त मार्च तक हैं। इससे इस बार बाजार को अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है। इसकी रौनक अभी से बाजार में दिखने लगी है। दुकानों पर सुबह से ही लोगों की आवाजाही हो रही है। लोग जमकर खरीदारी भी कर रहे हैं। ऐसी ही रौनक सराफा बाजार में भी नजर आ रही है। व्यापारियों का कहना है कि इस बार लोग 18 कैरेट के जेवर पसंद कर रहे हैं।

न्यूज विंडो

अष्टानिका पर्व पर श्री शांतिनाथ जिनालय में हुआ अभिषेक



भोपाल। राजधानी के जैन मंदिरों में अष्टानिका पर्व श्रद्धा के साथ शुरू हुआ। मंदिरों में अभिषेक, पूजन व धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं। श्रीशांतिनाथ जिनालय में रत्नमयी 24 तीर्थंकर प्रतिमाओं का अभिषेक किया गया। वहीं, विश्व शांति की कामना से उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज के मुखारविंद से शांति धारा संपन्न हुई। संतश्री ने श्रद्धालुओं को जीवन में सरलता, विनम्रता-सात्विकता अपनाने की सीख दी। गुरु भक्त पंकज इंजीनियर ने बताया कि विद्वान अंशुल भैया रोज जैन दर्शन-सिद्धांतों पर व्याख्यान दे रहे हैं। आयोजन में मंदिर समिति अध्यक्ष निर्मल टीआई, विनोद, प्रमोद, जितेंद्र, गौरव, मनोज, सुनील, मुकेश, संदीप, अतुल, मनीष, राजकिशोर, सुमित, राहुल, सुरेश उपस्थित रहे।

बॉक्सिंग स्पर्धा के विजेता खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत, बढ़ाया मनोबल



भोपाल। मप्र एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा पीपुल्स स्कूल में हुए सीनियर मेंस ओपन बॉक्सिंग स्पर्धा का समापन हो गया। समारोह में अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल, बॉक्सिंग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष विशाल राजोरिया सहित अनेक खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

नेकी की दीवार लगाकर महिलाओं ने जरूरतमंदों को बांटे कपड़े-खिलौने



भोपाल। सामाजिक सहयोग और सेवा भावना की मिसाल पेश करते हुए अखिल भारतीय दिगंबर जैन महिला परिषद के मैना सुंदरी संभाग की सोनागिरी शाखा द्वारा सोनागिरी जैन मंदिर परिसर में 'नेकी की दीवार' लगाई गई। असहाय लोगों और जरूरतमंद बच्चों को कपड़े, गर्म कपड़े एवं खिलौने वितरित किए गए। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष रेखा जैन, सचिव ऋतु जैन, कोषाध्यक्ष ज्योति जैन, उपाध्यक्ष समता सिंघाई एवं सांस्कृतिक मंत्री मनोरमा जैन सहित अरुणा, सीमा, रीता, नीलू, अनीता, अर्चना, रजनी, संध्या, मीरा और अलका ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

फर्जी आदेश से तिवारी सुप्रीम कोर्ट में बन बैठा सरकार का अतिरिक्त निदेशक तो खड़े हुए सवाल

'अभियोजन' में वकीलों की फौज फिर फर्जी नियुक्ति कैसे नहीं पकड़ी?

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मप्र अभियोजन विभाग की कार्यशैली सवालों में घिर गई है। विभाग का अतिरिक्त निदेशक (न्याय) बताकर अमित कुमार तिवारी ने सरकार के नाम से फर्जी नियुक्ति आदेश, वेतन पर्ची और सुरक्षा संबंधी दस्तावेज तैयार कर लिए। कथित आदेशों में उसे 24 घंटे पांच सशस्त्र सुरक्षाकर्मी, सरकारी बंगला, हरजिले में सरकारी वाहन और राष्ट्रीय स्तर पर असीमित हवाई यात्रा की सुविधा देने का भी उल्लेख पाया गया। जून 2025 की वेतन पर्ची में उसका मासिक वेतन 3.85 लाख रुपए दिखाया गया। इसी साल अप्रैल में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक व्यक्ति जबलपुर हाईकोर्ट में जज के सामने अभद्र शैली में वह टिप्पणी करता भी नजर आया। इसके बाद सिंगरौली के बदेरा थाने में केस दर्ज हुआ। पुलिस ने अगस्त 2026 में आरोपी अमित कुमार तिवारी को जेल भेज। जांच में पता चला वीडियो एडिट किया था।

इसके बाद शिकायतकर्ता विवेक विश्वकर्मा ने सूचना के अधिकार के तहत तिवारी का नियुक्ति आदेश मांगा तो पोल खुल गई। अरेरा हिल्स पुलिस ने आरोपी पर धोखाधड़ी, प्रतिरूपण और फर्जीवाड़ा के मामले में केस दर्ज किया। मामला तो पकड़ा गया, लेकिन पूरे विभाग की कार्यशैली सवालों में घिर गई है। सवाल यह है कि इतना बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आ गया, लेकिन अभियोजन विभाग इसे पकड़ ही नहीं पाया। वह भी तब जब सरकार ने हाईकोर्ट में सरकारी मामलों की मजबूत पैरवी के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ताओं व सरकारी वकीलों की फौज खड़ी कर रखी है। उनके वेतन पर हर साल 6.94 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। इसके बाद भी एक ओर इस तरह का फर्जीवाड़ा चलता रहा। दूसरी ओर अधिवक्ताओं की लंबी-चौड़ी फौज करोड़ों लेने के बाद भी सरकार की ओर से पैरवी में ही सरकारी जमीन तक नहीं बचा पा रही। आलम यह है कि समय पर वे कोर्ट में जवाब-दावा भी नहीं लगा पा रही।

दो अहम केस में किस तरह हार गई सरकार

केस-1

जड़ेरुआ खुर्द में पुलिस की 14 बीघा जमीन है। इसे बचाने के लिए शासन ने हाईकोर्ट में रिट पिटीशन दायर की। प्रतिवादी का निधन होने के चलते उसके वारिसानों को पक्षकार बनाना था, लेकिन शासकीय अधिवक्ता को दो बार कोर्ट ने मौका दिया, लेकिन सूचना आगे नहीं बढ़ाई। पिटीशन खारिज हो गई। यह जानकारी अधिवक्ता मिली, पर उनके पास ही फाइल दबी रही। देर से री स्टोर का आवेदन लगाने का ठीकरा अफसरों पर फोड़ा और पुलिस बिना लड़े ही हाईकोर्ट से 14 बीघा जमीन हार गई।

केस-2

बेला की बावड़ी के पास 180 बीघा जमीन का मामला हाईकोर्ट में चला। पैरवी के लिए शासकीय अधिवक्ता उपस्थित हुए, लेकिन विधिवत जवाब नहीं दिया। इस जमीन का फैसला निजी पक्षों के पक्ष में गया। जबकि जमीन पट्टे की थी। अखबारों में खबर प्रकाशित होने के बाद शासन को जानकारी मिली तो रिट अपील दायर की है।

बड़े मामलों में अतिरिक्त महाधिवक्ताओं की बजाय सरकारी वकीलों के भरोसे

सरकार ने पैरवी मजबूत करने के नाम पर 5 अतिरिक्त महाधिवक्ता, 1 उप महाधिवक्ता, 28 सरकारी अधिवक्ता और 4 उप शासकीय अधिवक्ता नियुक्त किए हैं। उनके वेतन व सुविधाओं पर हर साल करीब 6.94 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं, लेकिन कामकाज पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बड़े मामलों में जहां अतिरिक्त महाधिवक्ताओं को पैरवी करनी चाहिए, वहां केस सरकारी वकीलों के भरोसे छोड़े जाते हैं। जबकि कई गैर-महत्वपूर्ण मामलों में अतिरिक्त महाधिवक्ता खुद पेश हो रहे हैं। कार्य-वितरण के रिकॉर्ड की पड़ताल में यही ट्रेंड सामने आया है कि प्राथमिकता का संतुलन बिगड़ा हुआ है। स्थिति यह है कि सरकारी जमीनों से जुड़े मामलों में समय पर जवाब दाखिल नहीं हो पा रहे। ऐसे में कोर्ट को सख्ती करनी पड़ रही है। कई मामलों में प्रमुख सचिवों को कोर्ट में पेश होना पड़ा है।

सवाल..गृह विभाग का आदेश भी फर्जी, यह सब कैसे हुआ?

मप्र अभियोजन विभाग का अतिरिक्त निदेशक (न्याय) बताने वाले अमित तिवारी के मामले में जांच में पता चला है कि गृह विभाग के नाम से जारी 7 जून 2024 का नियुक्ति आदेश और 17 मई 2025 का सुरक्षा आदेश भी फर्जी मिला है। तिवारी को 24 घंटे 5 गार्ड्स देने से पहले पुलिस विभाग ने आदेश का सत्यापन क्यों नहीं किया?

हुजूर तहसील में दूसरे दिन भी हुई सुनवाई

मास्टर प्लान पर 66 गांवों के 5000 किसानों की आपत्ति कृषि भूमि का लैंडयूज न बदलें



भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट में आपत्तियों पर आज भी हुजूर तहसील में सुनवाई हुई। बड़ा तालाब और आसपास के करीब 66 गांव के किसानों ने 5 हजार आपत्तियां लगाई हैं। उनका कहना है कि कृषि भूमि का लैंडयूज नहीं बदला जाए। इसे कृषि भूमि ही रहने दिया जाए। ड्राफ्ट पर 13,400 से अधिक आपत्तियां आई हैं। कल से शुरू हुई सुनवाई में पहले दिन आवासीय क्षेत्रों में कमर्शियल गतिविधियों के प्रस्ताव और अवैध निर्माण का मुद्दा प्रमुखता से उठा। आज किसानों ने बीआईजी-1 और बीआईजी-2 जोन हटाने की मांग की। किसानों का कहना है कि उनकी कृषि भूमि का उपयोग खेती के लिए ही सुरक्षित रखा जाए। अनोखी सिंह पटेल के मुताबिक, किसानों के पास आजीविका का प्रमुख साधन खेती है। इसलिए उन्होंने भोजताल संरक्षण जोन-1 (BIZ-1) और जोन-2 (BIZ-1) को हटाने और कृषि भूमि का लैंडयूज कृषि ही रखने की मांग की।

जमीन के भविष्य को लेकर चिंतित हैं किसान

किसानों का आरोप है कि मौजूदा ड्राफ्ट में बड़े तालाब के आसपास की कृषि भूमि के भू-उपयोग में बदलाव का प्रस्ताव किया गया है। इसी वजह से किसान अपनी जमीन के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। किसानों का आरोप है कि प्रस्तावित योजना में 66 गांवों की कृषि भूमि को रिवरफ्रंट, फॉरेस्ट, ग्रीन बेल्ट और अन्य आरक्षित श्रेणियों में शामिल किया जा रहा है। इससे हजारों किसानों की खेती और आजीविका प्रभावित होने की आशंका है। किसानों ने मांग की कि उनकी कृषि भूमि को प्रभावित करने वाले प्रस्तावों पर पुनर्विचार किया जाए।

425 मीटर तक हुई ट्विन टनल की खुदाई, अब पुल पातरा से महज 100 मीटर ही दूर मशीनें

भोपाल टॉकीज ब्रिज पार कर आगे बढ़ीं मेट्रो की दोनों टीबीएम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल मेट्रो के पहले भूमिगत कॉरिडोर का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। भोपाल रेलवे स्टेशन से पुल पातरा के बीच बन रही ट्विन टनल की खुदाई अंतिम चरण में पहुंचने लगी है। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की दोनों मशीनें साथ-साथ खुदाई कर रही हैं। अब तक 425 मीटर लंबी सुरंग तैयार हो चुकी है और मशीनें पुल पातरा से महज 100 मीटर की दूरी पर रह गई हैं। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, एक माह में दोनों मशीनें पुल पातरा तक पहुंच सकती हैं।

भोपाल टॉकीज ब्रिज के पास मेट्रो लाइन को कर्व देने का काम चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। यहां मशीनों को तय दिशा और स्तर के अनुसार आगे बढ़ाना है।



भोपाल स्टेशन पर चल रहा अंडरग्राउंड मेट्रो का कार्य।

अगले माह आएंगे पार्ट्स

टनल का काम पूरा होने के बाद टीबीएम मशीनों के पार्ट्स निकालने की प्रक्रिया शुरू होगी। दिसंबर के आखिरी तक मशीनों के पार्ट्स बाहर निकालने का लक्ष्य है। इसके बाद भूमिगत कॉरिडोर के अगले चरण के काम को आगे बढ़ाया जाएगा। मेट्रो पीआरओ धीरज शुक्ला ने कहा जनवरी से मेट्रो के दूसरे रूट पर भी काम शुरू करेंगे।

मेट्रो लाइन को कर्व पर काम के कारण बढ़ रहा समय

भोपाल टॉकीज ब्रिज के पास मेट्रो लाइन को कर्व देने का काम तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। इस हिस्से में मशीनों को निर्धारित दिशा और स्तर के अनुसार आगे बढ़ाना है। तकनीकी टीम विशेष सावधानी बरत रही है, ताकि खुदाई के दौरान मशीनों में होने वाले कंपन को नियंत्रित रखा जा सके। अधिकारियों का कहना है कि इस हिस्से में छोटी सी तकनीकी चूक भी पूरे काम को प्रभावित कर सकती है। इसलिए जल्दबाजी के बजाय सुरक्षा और तकनीकी मानकों को प्राथमिकता दी जा रही है।

सत्र 2026-27 के लिए पैनल, 750 रुपए प्रति कक्षा मानदेय

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी में आज से अतिथि शिक्षकों के इंटरव्यू

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अतिथि शिक्षकों (गेस्ट फैकल्टी) का पैनल तैयार करने के उद्देश्य से साक्षात्कार की प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है। साक्षात्कारों के जरिए विवि में अतिथि शिक्षकों के पैनल के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। विवि ने आवेदकों के लिए कोई एक समान केंद्रीय समय-सारणी जारी नहीं की जाएगी। इसके बजाय विभागाध्यक्ष हर आवेदक को साक्षात्कार की तिथि, समय और स्थान की सूचना देंगे। अतिथि शिक्षकों के लिए अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष है। यह व्यवस्था पूर्णतः अस्थायी होगी। न्यूनतम योग्यता के रूप में अभ्यर्थी का संबंधित विषय में नेट, स्लेट या सेट उत्तीर्ण होना अथवा पीएचडी धारक होना अनिवार्य है। चयनित अतिथि शिक्षकों को प्रति पीरियड 750 रुपए मानदेय मिलेगा। एक कार्यदिवस में अधिकतम चार पीरियड का भुगतान व मासिक मानदेय अधिकतम 50 हजार रुपए तय है।

मेट्रो एंकर | **जेपी अस्पताल में मौसमी बीमारियों से परेशान 50 से 60 मरीज रोज पहुंच रहे**

धूल, परागकण और तापमान में उतार-चढ़ाव बढ़ा रहे एलर्जी 'हे फीवर' से बार-बार छींक और नाक बहने से लोग परेशान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सुबह बिस्तर से उठते ही लगातार छींकें आना, नाक से पानी बहना और आंखों में खुजली होना। कई लोग इसे मौसम बदलने पर होने वाला सामान्य जुकाम समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन इसकी वजह 'हे फीवर' यानी सीजनल एलर्जिक राइनाइटिस भी हो सकती है।

मौसम में बदलाव के साथ परागकणों के कारण ये परेशानी बढ़ी है। इससे मरीज अस्पताल में बढ़ रहे हैं। बड़ी उम्र के लोग भी चपेट में आ रहे हैं। मरीजों में 30 फीसदी वयस्क हैं। जेपी अस्पताल में हर दिन इससे पीड़ित 50-60 मरीज पहुंच रहे हैं। रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ रेस्पीरेटरी डिजीज में भी ओपीडी में रोज 20 से 25 मरीज आ रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कई लोगों में सुबह- शाम लक्षण ज्यादा दिखाई देते हैं। लगातार छींक और नाक बहने की समस्या नींद, कामकाज और दिनचर्या को भी प्रभावित करती है। इसे जुकाम समझकर खुद से दवाएं न लें।



जेपी अस्पताल की ओपीडी में मौसमी बीमारियों से परेशान मरीज।

मौसम में बदलाव से बढ़ रही एलर्जी

- **परागकण :** पेड़-पौधों और घास से निकलने वाले सूक्ष्म कण एलर्जी की वजह बन सकते हैं।
- **धूल :** हवा में मौजूद धूल और उसके महीन कण नाक की एलर्जी बढ़ाते हैं।
- **मौसम :** तापमान और वातावरण में नमी बढ़ने से लक्षण बढ़ा सकता है।
- **फफूंद :** वातावरण में मौजूद फंगस के सूक्ष्म कण भी एलर्जी पैदा करते हैं।
- **प्रदूषण :** धुआं और हवा में मौजूद प्रदूषक एलर्जी की परेशानी बढ़ा सकते हैं।

सूखी घास से जुड़ा है हे फीवर पर इनमें नहीं आता बुखार

गांधी मेडिकल कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पराग शर्मा बताते हैं कि हे (Hay) का अर्थ सूखी घास है। पहले मानते थे घास काटने व सुखाने व परागकणों के संपर्क में आने से छींक, नाक बहने, आंखों में खुजली होती है। इसी आधार पर इसका नाम हे फीवर पड़ा। हालांकि नाम में फीवर (बुखार) होने के बावजूद यह बुखार की बीमारी नहीं है, एलर्जी है। मेडिकल भाषा में इसे एलर्जिक राइनाइटिस कहते हैं।

भोपाल में पुलिस कमिश्नर ने जारी किया आदेश

दो माह तक शहर में बिना अनुमति कोई धरना-प्रदर्शन नहीं, रैलियों पर भी रोक

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है, जो अगले दो माह तक तक प्रभावी रहेगा। आदेश के तहत पुलिस की पूर्व अनुमति के बिना भोपाल में धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, आमसभा, घेराव या पुतला दहन की अनुमति नहीं होगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी यह आदेश विभिन्न समुदायों, संगठनों, राजनीतिक दलों, समितियों, प्रतिनिधिमंडलों और आंदोलनकारियों द्वारा आयोजित सभी विरोध-प्रदर्शनों, आंदोलनों, जुलूसों, रैलियों, सार्वजनिक बैठकों, आवासों व सरकारी भवनों के घेराव तथा पुतला दहन कार्यक्रमों पर लागू होगा।

नुकसान की भरपाई और कार्रवाई की चेतावनी

पुलिस के अनुसार, बिना अनुमति कोई भी आयोजन करने वाले आयोजकों पर कानूनी कार्रवाई होगी। किसी भी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले भड़काऊ भाषणों पर रोक लगाई गई है। किसी भी व्यक्ति को ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी या प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी, जिससे समुदायों के बीच सांप्रदायिक तनाव पैदा हो सके। कार्यक्रमों में हथियार, लाठी-डंडे या ऐसी कोई सामग्री ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा।

अगले चुनाव में किसी को बहुमत नहीं

शिवपुरी में दिग्विजय के भाई लक्ष्मण सिंह ने बीजेपी-कांग्रेस पर साधा निशाना

शिवपुरी। समरसता यात्रा के तहत सोमवार को शिवपुरी पहुंचे पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता की। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने इस दौरान बीजेपी और कांग्रेस दोनों दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में दोनों में से



किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिलेगा।

नई पार्टी बनाने के सवाल पर लक्ष्मण सिंह ने कहा कि आगे क्या होगा यह परिस्थितियां तय करेंगी। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि अब वह किसी भी पार्टी में शामिल नहीं होंगे। लक्ष्मण सिंह ने कहा कि अगर बीजेपी को लगता है कि वह आसानी से बहुमत ले आएगी तो यह उसकी गलतफहमी है। उन्होंने दावा किया कि अगले चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस में से कोई भी बहुमत हासिल नहीं कर पाएगा। लक्ष्मण सिंह ने कहा कि समरसता यात्रा का मकसद समाज में आपसी सद्भाव और एकता बनाना है। जातिगत झगड़े खत्म करना और राष्ट्रहित को सबसे ऊपर रखना इस यात्रा का उद्देश्य है। यात्रा के दौरान आम लोगों को अपनी बात रखने का मंच दिया जा रहा है, ताकि जनता से सीधा संवाद हो सके।

3 लाख नौकरियां बचाने की मांग

6 दिसंबर को भोपाल में आउटसोर्स कर्मचारियों का होगा बड़ा आंदोलन

भोपाल। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने 31 मार्च 2027 तक तृतीय श्रेणी सहित अन्य नियमित पदों पर कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर इन पदों पर सीधी भर्ती करने के आदेश दिए हैं। इस फैसले के विरोध में आउटसोर्स कर्मचारियों ने आंदोलन का ऐलान किया है। अस्थाई आउटसोर्स कर्मचारी मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने फेसबुक लाइव के जरिए घोषणा की कि 6 दिसंबर



को भोपाल में प्रदेशव्यापी 'नौकरी बचाओ आंदोलन' किया जाएगा। वासुदेव शर्मा ने बताया कि 6 दिसंबर को प्रदेशभर के आउटसोर्स कर्मचारी चिनार पार्क के सामने एकत्रित होंगे। यहां से बोर्ड ऑफिस चौराहे तक पहुंचकर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और सरकार के फैसले का विरोध दर्ज कराएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मौजूदा आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाकर 'मल्टी टास्किंग वर्कर्स' के नाम से नया कैडर बनाना चाहती है। शर्मा ने कहा कि कर्मचारी संगठन आंदोलन के लिए प्रशासन से अनुमति नहीं मांगेंगे। कर्मचारी सीधे बाबा साहब की प्रतिमा के सामने एकत्रित होकर अपनी बात रखेंगे। आंदोलन की रणनीति के साथ 'ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स संघर्ष मोर्चा' और विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने प्रदेशव्यापी सामूहिक ज्ञापन तैयार किया है।

प्रशासनिक नक्शे में बदलाव की आहट : बीना, नागदा, चाचौड़ा और पिपरिया को जिला बनाने के प्रस्ताव

एमपी में बढ़ जाएगी जिलों की संख्या? चुनाव से पहले सुगबुगाहट तेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के प्रशासनिक नक्शे में एक बार फिर बड़े बदलाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की ताजा कवायद के बाद यह सवाल सियासी और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है कि क्या साल 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में जिलों और संभागों की संख्या बढ़ जाएगी? चार दशक से भी अधिक समय (आखिरी बार 1982 में हुआ था बड़ा पुनर्गठन) बाद हो रही इस विस्तृत समीक्षा ने नए जिलों के गठन की उम्मीदों को हवा दे दी है। प्रदेश की प्रशासनिक इकाइयों को व्यावहारिक और सुगम बनाने के लिए गठित राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग ने अपना काम तेज कर दिया है। आयोग प्रदेश के कुल 55 जिलों में से 50 जिलों का दौरा कर जमीनी हकीकत का आकलन पूरा कर चुका है और शेष पांच जिलों में भी इसी महीने बैठकें पूरी हो जाएंगी। इसके बाद दिसंबर 2026 से संभागीय स्तर पर बैठकों का दौर शुरू होगा, जिसमें स्थानीय सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों से प्रशासनिक सीमाओं को लेकर सीधा फीडबैक लिया जाएगा।



जनगणना की वजह से लगी है रोक, आंकड़े आते ही खुलेगा रास्ता| वर्तमान में देशभर में चल रहे जनगणना कार्य के कारण 31 दिसंबर 2025 से प्रशासनिक सीमाओं में किसी भी तरह के बदलाव पर रोक (फीज) लगी हुई है। यानी जब तक जनगणना की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक कागजों पर किसी नए जिले या तहसील की अधिसूचना जारी नहीं हो सकती। हालांकि, राज्य सरकार इस समय का उपयोग पूरी तैयारी करने में कर रही है। आयोग के सदस्य मुकेश शुक्ला के मुताबिक, जिलों और संभागों की बैठकों के बाद जैसे ही जनगणना के आंकड़े उपलब्ध होंगे, आयोग अपनी अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप देगा। इससे साफ है कि 2028 के चुनाव से पहले सरकार के पास अमल करने के लिए पर्याप्त समय होगा।

ये चार शहर हैं नए जिले बनने की दौड़ में सबसे आगे

बीना (सागर): सागर जिले से अलग कर बीना को नया जिला बनाने की मांग लंबे समय से उठ रही है। स्थानीय विधायक निर्मला सप्रे भी इसके लिए लगातार प्रयासरत हैं।

नागदा (उज्जैन): औद्योगिक नगरी नागदा को उज्जैन से अलग कर जिला बनाने का प्रस्ताव पहले भी चर्चा में रह चुका है और अब यह आयोग की समीक्षा के दायरे में है।

चाचौड़ा (गुना): गुना जिले से अलग कर चाचौड़ा को स्वतंत्र जिला बनाने की मांग वर्षों से लंबित है।

पिपरिया (नर्मदापुरम): सतपुड़ा अंचल के प्रमुख केंद्र पिपरिया को नर्मदापुरम से अलग कर नया जिला बनाने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है।

खंडवा के जनजातीय गौरव दिवस सम्मेलन में मुख्यमंत्री के बड़े ऐलान

जनजातीय युवाओं को दो लाख नौकरियां लाड़ली बहनों को 5 हजार की अतिरिक्त मदद

खंडवा, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय समाज का गौरव, स्वाभिमान, संस्कृति और आत्मनिर्भरता राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार का संकल्प है कि जनजातीय समाज अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कौशल विकास के अवसरों से जुड़े। आत्मनिर्भरता ही विकास की पहली सीढ़ी है। मुख्यमंत्री खंडवा में आयोजित राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने युवाओं, महिलाओं, किसानों और जनजातीय समाज के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न विभागों में अब तक 85 हजार सरकारी पदों पर भर्ती कर चुकी है। वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। अगले वर्ष एमपीपीएससी की परीक्षाएं दो बार आयोजित की जाएंगी और दो लाख नए पदों पर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने युवाओं से नौकरी मांगने वाले के बजाय रोजगार देने वाले उद्यमी बनने का आह्वान किया। एआई, खनन, डेटा सेंटर, रेडीमेड वस्त्र और दवा उद्योग जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए बड़े अवसर उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि रोजगार आधारित उद्योगों में काम करने वाली महिलाओं को मिलने वाली 1500 रुपए की मासिक सहायता के अतिरिक्त राज्य सरकार वेतन में 5000 रुपए की अलग से मदद देगी।



विद्यार्थियों को अधिकारी बनाने 20 करोड़ का पैकेज

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया कि इंदौर में जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को प्रशासनिक अधिकारी बनाने के लिए 20 करोड़ रुपए का विशेष प्रशिक्षण पैकेज मंजूर किया गया है। अगले साल से इसके तहत 100 युवकों और 100 युवतियों को उत्कृष्ट स्तर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज के महापुरुषों के सम्मान में स्मारक, विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। मंडला में राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के नाम पर मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है। खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या भील और गुना में तात्या टोपे के नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ है। आजादी के बाद लंबे समय तक प्रदेश में केवल पांच मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 33 हो गई है। अगले दो वर्षों में इसे 52 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या भी 10 हजार से अधिक होगी। उन्होंने कहा कि सिंचाई, बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। वर्ष 2023 के बाद तीन साल में बिजली उत्पादन में आठ हजार मेगावॉट की बढ़ोतरी हुई है और कुल उत्पादन क्षमता 32 हजार मेगावॉट तक पहुंच गई है।

किसानों की आय बढ़ाने डेयरी और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन| मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती-किसानी और पशुपालन को मजबूत करने के लिए सरकार नई योजनाएं चला रही है। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तहत 25 गाय या भैंस के साथ डेयरी शुरू करने वाले हितग्राहियों को 13 लाख रुपए से अधिक का अनुदान दिया जाएगा। प्राकृतिक खेती के साथ एक या दो गाय रखने वाले किसानों को हर महीने एक हजार रुपए की सहायता मिलेगी। मध्यप्रदेश अभी दूध उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है और सरकार इसे जल्द ही पहले स्थान पर पहुंचाने का लक्ष्य लेकर काम कर रही है।

प्रदेश जीआरपी में अधिकारियों का टोटा

भोपाल, इंदौर और जबलपुर में एसपी-डीएसपी के 12 पदों में से 5 खाली, कामकाज ठप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों में होने वाले अपराधों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी जीआरपी की होती है। ट्रेनों में चोरी, लूट, यात्रियों के साथ मारपीट या अन्य घटनाओं की शिकायत मिलने पर उस पर एफआइआर दर्ज करना, आरोपितों की तलाश करना और मामलों की जांच करना उनके काम में शामिल है। इसके साथ ही रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना और अपराधों को रोकने के लिए निगरानी करना भी इसकी जिम्मेदारी है। इन सभी कामों को व्यवस्थित ढंग से कराने और पुलिसकर्मियों की कार्रवाई पर निगरानी का काम एसपी



और डीएसपी स्तर के अधिकारी के पास होता है। लेकिन इन दिनों प्रदेश में जीआरपी मुख्यालय सहित भोपाल, इंदौर और जबलपुर की इकाइयों में अधिकारियों की कमी है। भोपाल रेल एसपी से लेकर डीएसपी के स्वीकृत 12 पदों में से पांच खाली पड़े हैं। ऐसे में पदस्थ अधिकारियों को अपने नियमित काम के साथ अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी संभालनी पड़ रही हैं। इसका असर मामलों की जांच की समीक्षा, आरोपितों की धरपकड़ के लिए की जा रही कार्रवाई, लंबित मामलों की निगरानी और अधीनस्थ कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश देने जैसे कामों पर पड़ रहा है।

मुख्यालय से लेकर इकाइयों तक पद खाली

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जीआरपी मुख्यालय भोपाल में डीएसपी का एक स्वीकृत पद है, लेकिन यहां कोई अधिकारी पदस्थ नहीं है। भोपाल इकाई में चार में से दो, इंदौर में तीन में से दो और जबलपुर में चार में से दो पद खाली हैं। इस तरह कुल 12 पदों में से केवल सात पर ही अधिकारी कार्यरत हैं। अधिकारियों की कमी को देखते हुए पुलिस मुख्यालय के विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) को पत्र भेजा गया है। इसमें रिक्त पदों पर जल्द नियुक्ति करने का आग्रह किया गया है, ताकि अपराधों की निगरानी, पुलिस कार्रवाई और प्रशासनिक कामकाज का प्रभावी ढंग से संचालन हो सके।

- राजा बाबू सिंह, स्पेशल डीजी (रेल)

एमपी में जनशिकायतों का अंबार

राजस्व के ही 1.5 लाख से ज्यादा मामले लंबित, अब सीएमओ रखेगा पैनी नजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आमजन की शिकायतों के समाधान के लिए सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई से लेकर सरकार ने कई व्यवस्थाएं बनाई हैं। अभियान भी चलाए लेकिन शिकायतें हैं कि कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मुख्यमंत्री ने जन विश्वास अभियान प्रारंभ किया ताकि मौके पर ही शिकायतों का निराकरण हो जाए लेकिन जब विभागों के आंकड़ों को खंगाला गया तो राजस्व विभाग के ही डेढ़ लाख से अधिक प्रकरण लंबित पाए गए।

अब डैशबोर्ड से होगी निगरानी, हर पखवाड़े समीक्षा

अब फिर नई व्यवस्था बनाई गई है, जिसके तहत मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव कार्यालय के लिए डैशबोर्ड बना दिया है। इसमें हर विभाग में लंबित मामलों का लेखा-जोखा रहेगा। इसके आधार पर अब हर पखवाड़े समीक्षा होगी।

कई अभियानों के बावजूद लंबित हैं शिकायतें- प्रदेश में जन शिकायतों के निराकरण के लिए एक नहीं कई बार अभियान चलाए जा चुके हैं। प्रति शुक्रवार जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी जैसी व्यवस्थाएं हैं। इसके बावजूद लंबित शिकायतों का निराकरण नहीं हो रहा है और यह जानकारी किसी और माध्यम से नहीं बल्कि मुख्य सचिव द्वारा विभागों के पोर्टल से निकलवाई जानकारी से सामने आई है।



राजस्व के डेढ़ लाख से अधिक मामले लंबित

अकेले राजस्व से जुड़े ही डेढ़ लाख से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें नामांतरण और सीमांकन के प्रकरण अधिक हैं। यह स्थिति तब है, जब प्रदेश में तीन बार राजस्व महाभियान चलाया जा चुका है, जिसमें लाखों की संख्या में अविवादित मामलों के निराकरण का दावा किया गया। नए बिजली के कनेक्शन, नर्सिंग पंजीयन या फिर भवन अनुज्ञा के मामले बड़ी संख्या में लंबित हैं।

नामांतरण व सीमांकन के 1.5 लाख केस अटके

मुख्य सचिव ने दिए निर्देश, ऐसा न होने पर तय होगी जिम्मेदारी

मुख्य सचिव ने पिछले सप्ताह नियुक्ति, पदोन्नति आदि मामलों की समीक्षा के दौरान लंबित मामलों का प्रस्तुतीकरण भी करवाया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समयसीमा में लंबित मामलों का निराकरण हो जाए। ऐसा न होने पर जिम्मेदारी तय होगी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव एम सेलवेंद्रन ने बताया कि विभागीय गतिविधियों की निगरानी के लिए डैशबोर्ड बनाया गया है, जिसके माध्यम से मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा निगरानी की जाएगी।

जुलाई 2027 तक पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करें :आयुक्त

गर्मी से पहले पेयजल संकट रोकने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में आगामी ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल संकट से निपटने के लिए नगरीय निकायों को अभी से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा है कि जुलाई 2027 तक नागरिकों को पर्याप्त और नियमित पेयजल उपलब्ध कराना नगरीय निकायों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। किसी भी शहर में पानी की कमी से आम लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी निकाय उपलब्ध जल स्रोतों की स्थिति, पानी की मात्रा और आपूर्ति की अवधि का आकलन कर ठोस कार्ययोजना तैयार करें। आयुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पाइपलाइन लीकेज रोकें

आयुक्त ने क्षतिग्रस्त पेयजल पाइपलाइनों की तत्काल मरम्मत कराने और सार्वजनिक नलों एवं हैंडपंपों में टोंटी लगाना अनिवार्य करने को कहा। इससे पानी का अनावश्यक अपव्यय रोका जा सकेगा। उन्होंने बांध, जलाशय और नदियों जैसे उपलब्ध सतही जल स्रोतों का प्राथमिकता से उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिन क्षेत्रों में मौजूदा जल स्रोतों में पानी कम होने की आशंका है, वहां वैकल्पिक स्रोतों की पहचान अभी से की जाए।

एमपी के 125 वन अधिकारी भ्रष्टाचार के घेरे में!

लोकायुक्त में 33 और ईओडब्ल्यू में 92 मामले हैं दर्ज, जांच जारी

भोपाल। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के सहायक संचालक व अनुविभागीय अधिकारी वन (एसडीओ) संजीव शर्मा ही नहीं मध्य प्रदेश में 125 वन अधिकारी लोकायुक्त और राज्य आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) के आरोपित हैं। भारतीय वन सेवा और राज्य वन सेवा के इन अधिकारियों के विरुद्ध लोकायुक्त संगठन में 33 और राज्य आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में 92 मामले दर्ज है। इन अधिकारियों की अनियमितताओं का मामला विधानसभा में भी उठ चुका है। विधानसभा को सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार इनमें से 12 वन अधिकारियों के विरुद्ध जांच चल रही है। लोकायुक्त के 22 मामलों में जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। ईओडब्ल्यू में हुई शिकायतों और जांच के 92 मामलों में 35 मामलों में रिपोर्ट शासन को भेजी गई है और शेष मामलों में जांच की जा रही है।



संजीव शर्मा की IFS में नियुक्ति खटाई में पड़ सकती है

इधर, पिछले दिनों एसडीओ संजीव शर्मा के सरकारी आवास और अन्य ठिकानों पर लोकायुक्त की छापेमारी में नकदी के साथ करोड़ रुपये की अचल संपत्ति के दस्तावेज बरामद हुए हैं। इसके चलते उनकी आइएफएस संवर्ग में नियुक्ति खटाई में पड़ सकती है। राज्य वन सेवा से आइएफएस में नियुक्ति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक भी हो चुकी है, पात्रता सूची में संजीव का भी नाम है।

मेट्रो एंकर | मुंबई में होने वाली अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिए चुनी जाएगी मप्र पुलिस की टीम

अपराधियों के राज खोलेंगे पुलिस के 91 होनहार, दिखाएंगे हुनर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अपराध अनुसंधान में वैज्ञानिक तकनीक और आधुनिक पुलिसिंग की दक्षता परखने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस की राज्य स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट 2026-27 का शुभारंभ हो गया है। प्रदेश के सभी जोन से चयनित 91 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी इस प्रतियोगिता में अपनी तकनीकी दक्षता, सूक्ष्म निरीक्षण क्षमता और व्यावहारिक कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। निरीक्षक से लेकर आरक्षक स्तर तक के प्रतिभागी विभिन्न स्पर्धाओं में हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों को मुंबई में होने वाली 70वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।



विशेषज्ञों का निर्णायक मंडल करेगा मूल्यांकन

प्रतियोगिता के निष्पक्ष और तकनीकी मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञों का निर्णायक मंडल बनाया गया है। इसमें एफएसएल विशेषज्ञ, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी विशेषज्ञ, मेडिको लीगल विशेषज्ञ तथा विधि और अभियोजन विशेषज्ञ शामिल हैं। विषय विशेषज्ञ दो दिनों तक प्रतिभागियों की सैद्धांतिक जानकारी और व्यावहारिक दक्षता का बारीकी से आकलन करेंगे। आयोजन में एफएसएल और पुलिस मुख्यालय की फोटो शाखा का भी विशेष तकनीकी सहयोग मिल रहा है। महाराष्ट्र के मुंबई में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की ओर से 15 से 20 दिसंबर 2026 तक 70वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट आयोजित की जाएगी। इसमें देशभर की पुलिस टीमें हिस्सा लेंगी।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं के.पी. वेंकटेश्वर राव के नेतृत्व और पुलिस उप महानिरीक्षक साकेत प्रकाश पाण्डेय के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में तीन प्रमुख विधाएं शामिल की गई हैं। इनमें साइंटिफिक एड्स टू इन्वेस्टिगेशन, पुलिस फोटोग्राफी और पुलिस वीडियोग्राफी शामिल हैं। इन स्पर्धाओं के जरिए पुलिसकर्मियों के तकनीकी ज्ञान के साथ अपराध स्थल का बारीकी से निरीक्षण करने, साक्ष्य जुटाने और उन्हें सुरक्षित रखने की क्षमता का परीक्षण किया जा रहा है।

फिंगरप्रिंट से लेकर क्राइम सीन फोटोग्राफी तक मुकाबला- प्रतियोगिता में क्राइम सीन फोटोग्राफी, प्रोफेशनल पुलिस फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी जैसी महत्वपूर्ण विधाओं में प्रतिभागी अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। इसके अलावा फिंगरप्रिंट लिफ्टिंग, साक्ष्यों की पैकिंग और फॉरवर्डिंग सहित वैज्ञानिक तरीके से प्रमाण जुटाने की प्रक्रिया भी परीक्षा का हिस्सा है। इन गतिविधियों के माध्यम से यह देखा जा रहा है कि पुलिसकर्मी अपराध स्थल से मिले साक्ष्यों को कितनी सावधानी और विशेषज्ञता के साथ संकलित करते हैं। अपराध अनुसंधान में छोटी से छोटी जानकारी भी महत्वपूर्ण होती है, इसलिए प्रतिभागियों की सूक्ष्म निरीक्षण क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

डराने वाले आंकड़े

महाराष्ट्र के भूजल सर्वेक्षण एवं विकास प्राधिकरण तथा केंद्रीय भूजल बोर्ड के आंकड़े वाकई बहुत डरावने हैं। मगर असली सवाल है कि क्या इन आंकड़ों से हम डर रहे हैं? या फिर जो होगा देखा जाएगा की नीति का शिकार हो गए हैं? सबसे पहले इस बात पर नजर डालिए कि महाराष्ट्र के भूजल सर्वेक्षण एवं विकास प्राधिकरण की ताजा रिपोर्ट क्या कहती है। रिपोर्ट कहती है कि महाराष्ट्र के जिन 3,816 कुओं पर नजर रखी गई, उनमें से 3,321 कुओं का जलस्तर नीचे चला गया है। यानी जिन कुओं का जलस्तर नीचे गया है, उनका आंकड़ा 87 प्रतिशत है। 223 तालुकाओं में भूजल स्तर घटा है, जिनमें से 26 तालुकाओं में स्थिति बेहद गंभीर है। 964 कुओं यानी कुल 29 प्रतिशत में पानी 3 मीटर से भी ज्यादा नीचे चला गया है। 14.7 प्रतिशत कुओं में जलस्तर 2 से 3 मीटर, 25.1 प्रतिशत कुओं में पानी 1 से 2 मीटर तथा 31 प्रतिशत कुओं के जलस्तर में 1 मीटर तक की कमी दर्ज की गई है।

मराठवाड़ा की हालत ज्यादा खराब है जहां 8 जिलों में औसतन 4।39 मीटर की गिरावट दर्ज हुई है। कुछ लोग तर्क दे रहे हैं कि इस बार अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून नाराज रहा जिसके कारण जल स्रोत रिचार्ज नहीं हो पाए। लेकिन क्या यही एकमात्र कारण है? कारणों पर गौर करने से पहले जरा राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों पर नजर डालते हैं। केंद्रीय भूमि जल बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि देश में कई क्षेत्रों में भू-जलस्तर में औसतन 0.5 से 1 मीटर प्रति वर्ष की दर से गिरावट दर्ज की जा रही है। आंकड़े यह भी बताते हैं कि हमारा देश दुनिया में सबसे ज्यादा भूजल निकालने वाला देश है। हर साल लगभग 247.22 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी जमीन से निकाला जाता है। निश्चय ही देश में हर साल बारिश और अन्य स्रोतों से 448.52 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी जमीन के भीतर जाता है, जिसमें से 407.75 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी ही निकालने योग्य माना जाता है। इस आंकड़े के आधार पर तो लगता है कि जितना पानी हम निकाल रहे हैं, उससे ज्यादा जमीन के भीतर जा रहा है। आंकड़े सही भी हैं लेकिन पेंच यह है कि कई ऐसे इलाके हैं जहां जरूरत के अनुरुप पानी जमीन के भीतर नहीं जाता। हमारा महाराष्ट्र इसी श्रेणी में आता है। देश के कुल 6,762 ब्लॉकों में आकलन से पता चलता है कि 25 से 26 प्रतिशत ब्लॉक अत्यधिक दोहन, गंभीर या अर्ध-गंभीर स्थिति में पहुंच चुके हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य पंजाब है जहां जितना पानी जमीन में जाता है, उससे करीब डेढ़ गुना निकाल लिया जाता है। राजस्थान तथा हरियाणा में भी करीब-करीब यही हालत है। ध्यान केंद्रित करने वाली जानकारी यह है कि देश में जितने भूजल का हम दोहन करते हैं, उसमें से करीब 87 प्रतिशत का उपयोग खेती में होता है। गन्ना और धान ऐसी फसल है जिसमें सबसे ज्यादा पानी लगता है। तो हम क्या करें? क्या धान और गन्ने की खेती कम कर दें? सीधे तौर पर यह समस्या का समाधान नहीं है। गन्ने की खेती कम की जा सकती है लेकिन धान तो बहुत जरूरी है। तो हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि देश में व्यापक पैमाने पर ड्रिप इरिगेशन की व्यवस्था कैसे की जाए। किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करना होगा और आवश्यक संसाधन कम कीमत पर उपलब्ध कराने होंगे। इसके लिए सरकार अनुदान दे तो ज्यादा बेहतर होगा। बहुमंजिला इमारतों के लिए तो कुछ नियम बनाए गए हैं लेकिन क्या इस बात पर कोई ध्यान देता है कि किस इमारत में पानी जमीन के भीतर जाने की व्यवस्था की गई है या नहीं? संभलिए, नहीं तो एक वक्त ऐसा आएगा जब बूंद-बूंद के लिए हम तरसेंगे।

बढ़ती मांग और बाजार की हलचल में आर्थिक संतुलन समझने की जरूरत

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार



त्योहारों में बढ़ती मांग और बाजार की हलचल से कीमतों में उछाल स्वाभाविक लेकिन आम आदमी की जेब का ध्यान रखना भी जरूरी देश में खुदरा महंगाई दर का अक्टूबर में बढ़कर 6.09 प्रतिशत तक पहुंचना अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ता दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। सितंबर में खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा को भी पार कर गई। पिछले बारह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो महंगाई में लगातार बढ़ोतरी का रुझान दिखाई देता है। प्याज, लहसुन, दूध, अंडे और डेयरी उत्पादों सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर दबाव पड़ा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी महंगाई को प्रभावित कर रहा है। हालांकि महंगाई के इस आंकड़े को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने के बजाय इसके पीछे बाजार की परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति के संतुलन को भी समझना आवश्यक है।

भारत जैसे विशाल देश में महंगाई का संबंध केवल उत्पादन लागत से नहीं होता, बल्कि त्योहारों, मौसम, परिवहन, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता से भी जुड़ा होता है। दीपावली जैसे महान पर्व पर बाजारों में जिस प्रकार रौनक दिखाई देती है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता का प्रमाण है। दीपावली के अवसर पर देश के प्रत्येक वर्ग में खरीदारी का उत्साह रहता है। घरों की सजावट, कपड़े, आभूषण, मिठाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग अचानक बढ़ जाती है। व्यापारियों से लेकर छोटे दुकानदारों और कारीगरों तक सभी के कारोबार में तेजी आती है। ऐसे समय में वस्तुओं की मांग बढ़ना स्वाभाविक है और यदि मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती तो कीमतों में बढ़ोतरी होना भी बाजार के सामान्य नियमों में शामिल है।



दीपावली केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला अवसर भी है। इस समय लोगों के हाथों में धन का प्रवाह बढ़ता है। वे पूरे वर्ष की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए खरीदारी करते हैं। उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है, परिवहन व्यवसाय को काम मिलता है, बाजारों में व्यापार बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशेष रूप से सूरत जैसे औद्योगिक और व्यापारिक शहरों में दीपावली का आर्थिक महत्व और भी अधिक है। यहां कपड़ा, हीरा, निर्माण, छोटे उद्योगों और विभिन्न सेवा क्षेत्रों से लाखों लोग जुड़े हुए हैं। त्योहारों के दौरान इन क्षेत्रों में होने वाली आर्थिक गतिविधियां स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती प्रदान करती हैं।

महंगाई को समझने के लिए मांग और आपूर्ति का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। जब किसी वस्तु की मांग बढ़ती है और बाजार में उसकी उपलब्धता सीमित रहती है तो कीमतों में वृद्धि होती है। इसके विपरीत उत्पादन अधिक हो और मांग कम हो तो कीमतों में गिरावट आने लगती है। इसलिए दीपावली के दौरान कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ने को बाजार की परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। हालांकि त्योहारों के नाम पर अनावश्यक मूल्य वृद्धि, जमाखोरी और कालाबाजारी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। मांग बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि व्यापारी मनमाने दाम वसूलें। बाजार में पारदर्शिता और उचित मूल्य व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

अक्टूबर में ग्रामीण महंगाई का 6.63 प्रतिशत और शहरी महंगाई का 5.41 प्रतिशत तक पहुंचना भी महत्वपूर्ण संकेत है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाद्यान्न, सब्जियों और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। इसलिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर उनके घरेलू बजट पर पड़ता है। शहरों में किराया, शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन जैसे खर्च भी परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इस कारण महंगाई का प्रभाव दोनों क्षेत्रों में अलग-अलग दिखाई देता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी सीमित आय वाले परिवारों को होती है।

भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक नीतियों का सहारा लेता है। आवश्यकता पड़ने पर ब्याज दरों में वृद्धि करके बाजार में कर्ज और खर्च की गति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से गृह ऋण, वाहन ऋण और अन्य कर्ज भी महंगे हो सकते हैं। इसका बोझ मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए केवल ब्याज दरों में बदलाव पर्याप्त नहीं है। कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति मजबूत करने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और परिवहन लागत कम करने जैसे उपाय भी जरूरी हैं।

अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मध्य पूर्व में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पेट्रोलियम उत्पादों, परिवहन और उत्पादन लागत पर पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं तो महंगाई के दबाव में राहत मिल सकती है। इसके विपरीत तेल महंगा होने पर वस्तुओं की ढुलाई और निर्माण लागत बढ़ सकती है, जिसका असर अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है।

वास्तविक आवश्यकता महंगाई से घबराने की नहीं, बल्कि उसके कारणों को समझकर संतुलित आर्थिक व्यवस्था बनाने की है। त्योहारों में बाजार की बढ़ती गतिविधियां अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक हैं, लेकिन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए। सरकार को जमाखोरी पर निगरानी रखनी चाहिए और उत्पादन तथा आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। व्यापारियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उपभोक्ताओं को अपनी आय के अनुसार समझदारी से खर्च करना चाहिए। आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब बाजार में रौनक के साथ आम परिवारों के घरों में भी खुशहाली बनी रहे। महंगाई का वास्तविक समाधान उत्पादन, आपूर्ति, पारदर्शिता और जनहित के बीच उचित संतुलन स्थापित करने में ही निहित है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आस्था के नाम पर बलि, समाज का सोया विवेक गंभीर चिंता का विषय

कुमार कृष्णन
स्तंभकार



आठ साल की एक बच्ची की हत्या किस धर्म में पुण्य हो सकती है? किस पूजा में एक मासूम की जिंदगी चढ़ावे की वस्तु बन सकती है? और कैसी आध्यात्मिक शक्ति है, जिसे पाने के लिए किसी बच्चे का गला घोंटना जरूरी हो जाए? झारखंड के चतरा जिले से सामने आई यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं है। यह हमारे समय के उस सामाजिक अंधकार का आईना है, जिसमें मनुष्य अपने विवेक को छोड़कर अंधविश्वास, भय और कथित चमत्कारों के हवाले होता जा रहा है।

काली पूजा और अमावस्या की रात कथित नरबलि के नाम पर आठ साल की बच्ची शिवानी की हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में बच्ची की मौसी सोहरी देवी, उसके जेठ बिंदु भारती और उनके बेटे जुगेश भारती को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि बच्ची आठ नवंबर को लापता हुई थी। काफी तलाश के बाद उसकी मां ने 11 नवंबर को प्रतापपुर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। 13 नवंबर को घर से करीब 150 मीटर दूर धान के खेत के पास उसका शव बरामद हुआ। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के अनुसार, जांच में हत्या के पीछे अंधविश्वास और कथित तांत्रिक अनुष्ठान का मामला सामने आया है। पुलिस का आरोप है कि आध्यात्मिक शक्तियां हासिल करने के उद्देश्य से अमावस्या की रात बच्ची की गला घोंटकर हत्या की गई और शव को खेत में फेंक दिया गया। आरोपियों के घर से खून से सने कृषि उपकरण, टूटी चूड़ियां, बच्ची के कपड़े, पलाश के पत्ते और कथित अनुष्ठान में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद होने की जानकारी भी पुलिस ने दी है।



इस मामले में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, बच्ची के माता-पिता और आरोपियों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। यानी इस जघन्य अपराध की जांच में कथित तांत्रिक अंधविश्वास के साथ पारिवारिक वैमनस्य की भूमिका भी देखी जा रही है। पुलिस ने यह आशंका भी जताई है कि अपराध को यौन हिंसा का रूप देने के लिए बच्ची के शरीर के साथ छेड़छाड़ की गई। बिहार के एक मौलवी की भूमिका की भी जांच की जा रही है, जिसके बारे में पुलिस का दावा है कि उसने आरोपियों को कथित तांत्रिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया था। इन सभी आरोपों और दावों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया में होनी बाकी है। किसी व्यक्ति की पहचान या धार्मिक संबद्धता को अपराध का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

इस घटना में सबसे अधिक पीड़ा उस रिश्ते को लेकर होती है, जिसे हम सुरक्षा और भरोसे का दूसरा नाम मानते हैं। बच्ची के लिए उसके अपने रिश्तेदार ही कथित तौर पर मौत का कारण बन गए। घर से कुछ कदम की दूरी पर उसका शव मिला। जिस परिवार में उसे प्यार और सुरक्षा मिलनी चाहिए थी, उसी परिवार के कुछ लोगों पर उसकी हत्या का आरोप है। वह बच्ची शायद यह कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि जिन लोगों के बीच वह रह रही है, उनके मन में उसके प्रति ऐसी भयावह साजिश पल रही है।

हम अक्सर कहते हैं कि बच्चे भगवान का रूप होते हैं। लेकिन यह कैसी विडंबना है कि भगवान के नाम पर पूजा करने वाला समाज एक बच्ची की जिंदगी की रक्षा नहीं कर सका? क्या हमारी धार्मिकता इतनी कमजोर हो गई है कि उसे किसी मासूम के खून से शक्ति प्राप्त करने की कल्पना करनी पड़ती है? यदि किसी कथित साधना का आधार हिंसा है और किसी आध्यात्मिक उपलब्धि की कीमत किसी निर्दोष की जिंदगी है, तो ऐसी साधना का धर्म और मनुष्यता से कोई संबंध नहीं हो सकता। काली पूजा शक्ति की आराधना है। मां काली अन्याय, अहंकार और बुराई के विनाश की प्रतीक हैं। उनकी उपासना में निर्भयता और प्रतिरोध का भाव है। ऐसी आराधना के नाम पर किसी बच्ची की हत्या करना धर्म की भावना को उलट देना है। धर्म मनुष्य को करुणा सिखाता है, क्रूरता नहीं। पूजा मनुष्य के भीतर संवेदना जगाती है, किसी की हत्या करने का अधिकार नहीं देती। आस्था और अंधविश्वास के बीच यही बुनियादी फर्क है, जिसे समझना आज पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है।

लेकिन इस घटना को केवल तीन आरोपियों की विकृत मानसिकता कहकर छोड़ देना भी आसान रास्ता होगा। सवाल यह है कि ऐसी मानसिकता पैदा कहां होती है? कौन है जो लोगों को कथित चमत्कारों, तंत्र-मंत्र और अलौकिक शक्तियों के नाम पर भयभीत करता है? क्यों समाज का एक हिस्सा आज भी यह मानने को तैयार हो जाता है कि किसी की बलि देकर धन, शक्ति या सिद्धि हासिल की जा सकती है? यह केवल व्यक्तिगत अज्ञान का सवाल नहीं है। इसके पीछे सामाजिक असुरक्षा, अशिक्षा, भय, आर्थिक संकट, पारिवारिक तनाव और वैज्ञानिक चेतना की कमी जैसे अनेक कारण काम करते हैं। यह भी समझना होगा कि अंधविश्वास का कारोबार केवल गांवों और जंगलों तक सीमित नहीं है। यह शहरों में भी है, शिक्षित परिवारों में भी है और आधुनिक साधनों का इस्तेमाल करने वाले लोगों के बीच भी है। मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग करने वाला व्यक्ति भी चमत्कार के दावों पर विश्वास कर सकता है। बड़ी-बड़ी डिग्रियां हासिल कर लेने से विवेक अपने आप पैदा नहीं होता। विवेक पैदा होता है सवाल पूछने से, तर्क करने से और किसी भी दावे को प्रमाण की कसौटी पर परखने से।

समाज को यह तय करना होगा कि वह आस्था के नाम पर भय और हिंसा को जगह देगा या विवेक और करुणा को अपना आधार बनाएगा। मंदिरों में दीप जलाना आसान है, लेकिन अपने भीतर विवेक का दीप जलाना कठिन। शायद आज सबसे अधिक जरूरत उसी की है। जिस दिन हम किसी मासूम की जिंदगी को हर कथित चमत्कार, हर अंधविश्वास और हर अनुष्ठान से अधिक मूल्यवान मानने लगेंगे, उसी दिन हमारी आस्था सचमुच मनुष्यता की आस्था बनेगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

विटामिन सी... इम्यूनिटी के साथ त्वचा और खून का भी रखता है ख्याल

विटामिन सी का नाम आते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में सर्दी-जुकाम और रोग प्रतिरोधक क्षमता का ख्याल आता है। यही वजह है कि लोग आंवला, नींबू और संतरा जैसे फल इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए खाते हैं। लेकिन विटामिन सी का काम सिर्फ शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करना नहीं है। यह त्वचा को स्वस्थ रखने, घाव भरने, मसूड़ों को मजबूत बनाने और शरीर में आयरन के अवशोषण को बेहतर करने में भी अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी लंबे समय तक बनी रहे तो त्वचा से लेकर खून तक पर इसका असर दिखाई दे सकता है।



विटामिन सी को एस्कॉर्बिक एसिड भी कहा जाता है। यह पानी में घुलनशील विटामिन है और शरीर इसे लंबे समय तक जमा करके नहीं रख पाता। इसलिए भोजन के जरिए इसकी नियमित आपूर्ति जरूरी है। शरीर में इसका एक महत्वपूर्ण काम कोलेजन बनाने में मदद करना है। कोलेजन एक प्रोटीन है, जो त्वचा, हड्डियों, नसों, लिगामेंट और रक्त वाहिकाओं को मजबूती देने में मदद करता है। चोट लगने या त्वचा कटने पर नए ऊतकों के निर्माण और घाव भरने की प्रक्रिया में भी इसकी जरूरत होती है। पर्याप्त विटामिन सी मिलने से त्वचा की प्राकृतिक मरम्मत प्रक्रिया बेहतर ढंग से काम कर पाती है।

शरीर में लंबे समय तक विटामिन सी की गंभीर कमी रहने पर स्कर्वी नाम की बीमारी हो सकती है। इसमें मसूड़ों में सूजन, ब्रश करते समय खून आना, त्वचा पर लाल या बैंगनी धब्बे पड़ना और मामूली चोट से भी निशान बनना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। घाव भरने में सामान्य से अधिक समय लग सकता है। इसके अलावा थकान, कमजोरी और जोड़ों में दर्द की शिकायत भी हो सकती है।

विटामिन सी का एक महत्वपूर्ण काम भोजन से मिलने वाले आयरन का बेहतर अवशोषण कराना है। खासतौर पर दाल, चना, राजमा, बीन्स और हरी पत्तेदार सब्जियों में मौजूद आयरन को शरीर आसानी से अवशोषित नहीं कर पाता। इसे नॉन-हीम आयरन कहा जाता है। विटामिन सी इस आयरन को ऐसे रूप में बदलने में मदद करता है, जिसे शरीर बेहतर तरीके से ग्रहण कर सके।

आंवला और अमरूद हैं अच्छे स्रोत: विटामिन सी की जरूरत पूरी करने के लिए महंगे सप्लीमेंट पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। आंवला, अमरूद, संतरा, मौसमी, नींबू, टमाटर, शिमला मिर्च और ब्रोकली इसके अच्छे प्राकृतिक स्रोत हैं। फल और सब्जियां बहुत देर तक पकाने से इनमें मौजूद विटामिन सी की मात्रा घट सकती है। इसलिए इन्हें ताजा या कम पकाकर खाना बेहतर है।

निशाना

अपनी तकदीर आज़माएं हम...



धर्मराज देशराज

कुछ नया करके अब दिखाएँ हम
खुद को इन्साँ जरा बनाएं हम।
बाद मरने के भी रहे क़ायम
ऐसी दौलत चलो कमाएं हम।
अश्क़ आँखों में हों जहां भर के
जब भी दुनियां को छोड़ जाएँ हम।
आओ मंज़िल की जुस्तजू करके
अपनी तक़दीर आज़माएँ हम।
दर्दो -ग़म सब है रब के हाथों में
रोते - रोते भी मुस्कुराएं हम।
भूलकर नफ़रतें जहां भर की
अब मुहब्बत के ग़ुल खिलाएं हम।
ये ज़माना तो 'धरम ' खुश होगा
क्यों ज़माने को ग़म बताएं हम।

टेक्नो-अपडेट

सेहत से जुड़े सवालों के लिए अब AI डॉक्टर! Apple ने पेश किया नया हेल्थ ऐप

अब सेहत से जुड़ी छोटी-बड़ी परेशानियों के जवाब खोजने के लिए सिर्फ डॉक्टरों या इंटरनेट पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) इस दिशा में एक नई भूमिका निभाने जा रहा है। टेक्नोलॉजी कंपनी एपल ने हेल्थकेयर AI कंपनी ओपनएविडेंस (OpenEvidence) के साथ मिलकर एक नया हेल्थ स्टडी ऐप लॉन्च किया है। इसमें यूजर्स अपनी सेहत से जुड़े सवाल पूछ सकेंगे और उन्हें मेडिकल रिसर्च तथा क्लिनिकल जानकारियों के आधार पर जवाब मिलेंगे। यह ऐप सामान्य चैटबॉट की तरह सवालों के जवाब देने के साथ मेडिकल जानकारी को आसान भाषा में समझाने की कोशिश करेगा।



इस ऐप की सबसे खास बात इसका जानकारी जुटाने का तरीका है। यह इंटरनेट पर उपलब्ध सामान्य जानकारियों के बजाय प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल और वैज्ञानिक शोध को आधार बनाकर जवाब देगा। इसके स्रोतों में द न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन, जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन और नेचर जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशन शामिल हैं। इसका उद्देश्य यूजर्स को स्वास्थ्य संबंधी सवालों पर अधिक विश्वसनीय और शोध आधारित जानकारी उपलब्ध कराना है। यूजर ऐप के जवाबों को रेट कर सकेंगे और अपनी प्रतिक्रिया भी दे पाएंगे।

2 लाख लोगों पर होगी स्टडी: एपल इस ऐप को फिलहाल एक शोध परियोजना के रूप में आगे बढ़ा रहा है। कंपनी की योजना 12 महीने से अधिक समय तक चलने वाली इस स्टडी में करीब 2 लाख प्रतिभागियों को शामिल करने की है। इसके लिए 21 वर्ष से अधिक उम्र के चुनिंदा आईफोन यूजर्स को आमंत्रित किया जा रहा है। कंपनी यह समझना चाहती है कि लोग स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए AI का इस्तेमाल किस तरह करते हैं और किस प्रकार के जवाब उनके लिए अधिक उपयोगी साबित होते हैं। प्रतिभागियों से हर महीने सर्वे में हिस्सा लेने और ऐप के अनुभव पर प्रतिक्रिया देने को कहा जाएगा।

कंपनी के अनुसार, जानकारी सुरक्षित थर्ड पार्टी क्लाउड पर भेजने से पहले उसकी पहचान बताने वाले विवरण हटा दिए जाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल AI मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए नहीं किया जाएगा। ओपनएविडेंस भी क्वेरी और उसके जवाब से जुड़ा डेटा 24 घंटे बाद डिलीट कर देता है। यह ऐप अभी अमेरिका में उपलब्ध है। इसके इस्तेमाल के लिए आईफोन 15 या उससे नया मॉडल, आईओएस 26 या नया संस्करण और एपल इंटेलिजेंस की सुविधा जरूरी है। भारत में इसकी उपलब्धता को लेकर फिलहाल कोई घोषणा नहीं हुई है।

वायरल कंटेंट

नौकरी के लिए अप्लाई करना छोड़ा तो खुली किस्मत , मिले 19 लाख के चार ऑफर

नौकरी की तलाश में युवा रोजाना LinkedIn, Naukri और दूसरे जॉब पोर्टल्स पर घंटों बिताते हैं। सैकड़ों आवेदन भेजने के बाद भी कई बार कंपनियों की तरफ से जवाब तक नहीं आता। लेकिन बेंगलुरु के एक युवक ने नौकरी पाने का ऐसा तरीका अपनाया कि बिना किसी जॉब लिस्टिंग पर आवेदन किए उसे चार बड़ी कंपनियों से ऑफर मिल गए। इन सभी नौकरियों का सालाना पैकेज करीब 19 लाख रुपये बताया गया है। युवक ने अपनी इस कामयाबी का राज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर साझा किया है।



उसके मुताबिक, चारों ऑफर बड़े स्टार्टअप्स से मिले हैं। इनमें एक कंपनी वाई कॉम्बिनेटर (YC) से जुड़ी हुई भी थी। युवक का मानना है कि नौकरी पाने के लिए हर वैकेंसी पर आवेदन करना जरूरी नहीं, बल्कि सही समय पर सही व्यक्ति तक पहुंचना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उसका कहना है कि ऑनलाइन जॉब पोर्टल्स पर एक ही पद के लिए सैकड़ों लोग आवेदन करते हैं। ऐसे में उम्मीदवारों की भीड़ में आपका रिज्यूमे दब सकता है।

युवक ने बताया कि LinkedIn पर कंपनियों की उन पोस्ट पर नजर रखनी चाहिए, जिनमें हाल ही में 'We're Hiring' लिखा गया हो। ऐसी पोस्ट को प्राथमिकता दें, जो 24 घंटे से ज्यादा पुरानी न हो और जिस पर 100 से कम लाइक्स आए हों। इससे पता चलता है कि पोस्ट अभी शुरुआती दौर में है और उस पर उम्मीदवारों की भीड़ अपेक्षाकृत कम हो सकती है। युवक के मुताबिक, नई फंडिंग हासिल करने वाली कंपनियों पर भी नजर रखनी चाहिए। खासकर सीड फंडिंग मिलने के बाद कई स्टार्टअप अपने कारोबार का विस्तार करने और नई टीम बनाने की तैयारी करते हैं। ऐसे समय भर्ती की संभावनाएं बढ़ सकती हैं।

युवक ने नौकरी तलाशने वालों को रोजाना 20 ईमेल भेजने का सुझाव दिया। इसके लिए कंपनी के फाउंडर्स, हायरिंग मैनेजर्स और संबंधित विभाग के जिम्मेदार लोगों को तलाशें। उन्हें सीधे अपनी बात बताएं। उसने यह भी कहा कि ईमेल लिखने के लिए पूरी तरह AI पर निर्भर न रहें। बनावटी और लंबे संदेशों की जगह अपनी भाषा में लिखे गए छोटे और स्वाभाविक ईमेल ज्यादा असरदार हो सकते हैं। युवक की कहानी का संदेश यही है कि नौकरी की तलाश में सिर्फ आवेदन भेजना ही काफी नहीं। अपनी स्किल्स दिखाने, सही संपर्क बनाने और सही मौके की पहचान करने की क्षमता भी सफलता की राह खोल सकती है।

बाघ की मौत के बाद दो फार्म हाउस वन विभाग के रडार पर

करंट से चार वर्षीय बाघ की मौत के मामले में जांच का दायरा बढ़ा, अब निर्माण से लेकर रास्तों तक की होगी जांच

अमित श्रीवास्तव. औबेदुल्लागंज।

रातापानी टाइगर रिजर्व की दाहोद रेंज की दाहोद बीट में सितंबर माह में करंट लगने से चार वर्षीय बाघ की मौत के मामले में वन विभाग ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। तीन आरोपियों पर कार्रवाई के बाद अब दो निजी फार्म हाउस भी विभाग के रडार पर आ गए हैं। इनमें आरके फार्म्स का रिसोर्ट और अनस हसन का पोल्ट्री फार्म शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, इन फार्म हाउसों के आसपास स्थित खेतों में जंगली सूअर के शिकार के लिए तारों में करंट फैलाया गया था, जिसकी चपेट में आने से बाघ की मौत हो गई थी। कर्मचारियों से



पूछताछ के दौरान सामने आए तथ्यों के बाद वन विभाग ने दोनों परिसरों की जांच शुरू की है।

अब विभाग फार्म हाउसों के निर्माण, संचालन और जमीन की वैधानिक स्थिति की पड़ताल कर रहा है। साथ ही यहां तक पहुंचने वाले रास्ते पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि बताया जा रहा है कि रास्ता जंगल और टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से होकर गुजरता है।

एसडीओ राजकुमार शिवहरे के अनुसार, संयुक्त सीमांकन के लिए राजस्व विभाग को पत्र लिखा गया है। वन भूमि की पुष्टि होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



कोर एरिया से रास्ता, अनुमति पर उठे सवाल

दोनों फार्म हाउसों तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे रास्ते को लेकर भी वन विभाग जांच कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह रास्ता जंगल और टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से होकर गुजरता है। ऐसे में रास्ते के निर्माण, उपयोग और संबंधित विभागों से मिली अनुमति की वैधानिकता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वन विभाग यह पता लगाएगा कि रास्ते के लिए नियमानुसार अनुमति और अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया गया था या नहीं। जांच में नियमों का उल्लंघन सामने आने पर संबंधित पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

महुआघाट में पेड़ पर फंदे से लटका मिला 40 वर्षीय युवक का शव

पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच, पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के महुआघाट गांव में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के समीप एक बबूल के पेड़ पर 40 वर्षीय युवक का शव फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। युवक की मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

मृतक की पहचान महुआघाट निवासी कमलेश गौंड, पिता धरम गौंड (40 वर्ष) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही तेजगढ़ थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मौका मुआयना कर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा भिजवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

न्यूज विंडो

अज्ञात पिकअप की टक्कर से बाइक सवार 19 वर्षीय युवक गंभीर घायल, जबलपुर रेफर



तेंदूखेड़ा। तारादेही-तेंदूखेड़ा मार्ग पर अज्ञात पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार 19 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, घायल धर्मेंद्र पिता रम्मू गोंड (19), निवासी ग्राम केवलारी, तहसील देवरी, जिला सागर, बाइक से अपने गांव से ससुराल ग्राम बदीपुरा जा रहा था। इसी दौरान दरौली-समनापुर के बीच सामने से आ रहे पिकअप वाहन ने अचानक कट मार दिया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। आरक्षक अनिकेत ठाकुर ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। दाएं पैर के पंजे में गंभीर चोट होने के कारण उसे जबलपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

लाखों के पौधरोपण पर लापरवाही की आग का खतरा सूखी घास के बीच दम तोड़ रही सुरक्षा व्यवस्था



तारादेही/तेंदूखेड़ा। वन संरक्षण के नाम पर लाखों रुपये खर्च कर लगाए गए हजारों पौधों की सुरक्षा को लेकर वन विभाग की लापरवाही सामने आ रही है। तेंदूखेड़ा उपवन मंडल के तारादेही वन परिक्षेत्र अंतर्गत हाथीडोल भाग-3 की वर्ष 2025-26 की प्लांटेशन में सूखी घास, खरपतवार और कचरे का अंबार लगा हुआ है। करीब 30 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली इस प्लांटेशन में लंबे समय से सफाई और खरपतवार कटाई नहीं होने से आग लगने का खतरा बढ़ गया है।

हजारों पौधों पर मंडरा रहा आग का खतरा; ग्रामीणों ने उठाए रखरखाव पर सवाल

समनापुर-जामुन मार्ग से करीब चार किलोमीटर दूर स्थित इस प्लांटेशन में ग्रामीणों ने सुरक्षा इंतजामों की कमी पर चिंता जताई है। ग्रामीण उत्तम, महेश, राजू और कृष्णा का कहना है कि एक छोटी सी चिंगारी भी हजारों पौधों को जलाकर राख कर सकती है। प्लांटेशन के प्रवेश द्वार पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता वन विभाग का बोर्ड लगा है, लेकिन अंदर की स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है। ग्रामीणों ने वरिष्ठ अधिकारियों से तत्काल निरीक्षण, सफाई, खरपतवार कटाई और अग्नि सुरक्षा के इंतजाम कराने की मांग की है, ताकि सरकारी धन से लगाए गए पौधों को बचाया जा सके।

हत्या की आशंका, पुलिस, फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम ने जुटाए साक्ष्य

छह दिन की तलाश का दर्दनाक अंत, गांव के खेत में मिला 10 वर्षीय अभिषेक का शव

गूढ़ा में मासूम की मौत से जिले में सनसनी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गूढ़ा में छह दिन से लापता 10 वर्षीय अभिषेक अहिरवार का शव गांव के समीप एक खेत में मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जिस मासूम की सकुशल वापसी के लिए माता-पिता और ग्रामीण दिन-रात तलाश कर रहे थे, उसकी मौत की खबर ने परिवार की उम्मीदों को तोड़ दिया। रबी की बुआई के लिए खेतों की ओर पहुंचे किसानों ने शव देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। कपड़ों के आधार पर परिजनों ने अभिषेक की पहचान की।

परिजनों ने आशंका जताई है कि मासूम की हत्या कर शव खेत में फेंका गया है। छह दिन तक तलाश के बावजूद शव गांव के नजदीक मिलने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। गांव में पुरानी रंजिश और अन्य आशंकाओं को लेकर चर्चाएं हैं, हालांकि इनकी पुष्टि नहीं हुई है। सूचना मिलते ही एएसपी सुजीत सिंह भदौरिया, एसडीओपी अर्चना अहीर सहित तेजगढ़ और नोहटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सागर से फोरेंसिक टीम और दमोह से डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।



एसपी कार्यालय तक पहुंचे थे माता-पिता, फिर भी नहीं बची उम्मीद

अभिषेक के लापता होने के बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। परिजन भी गांव और आसपास के क्षेत्रों में बच्चे को खोजने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे थे। बताया जाता है कि दो दिन पहले हताश माता-पिता पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे थे और बेटे को सुरक्षित तलाशने की गुहार लगाई थी। उन्हें उम्मीद थी कि उनका बेटा सकुशल घर लौट आएगा, लेकिन छह दिन बाद उसकी लाश मिलने की खबर ने परिवार को तोड़कर रख दिया। घटना के बाद परिजनों में गहरा आक्रोश है और वे मामले का जल्द खुलासा चाहते हैं।

हत्या या हादसा? फोरेंसिक जांच से खुलेगा राज

खेत में मासूम का क्षत-विक्षत शव मिलने के बाद उसकी मौत की परिस्थितियां पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई हैं। घटनास्थल पर पहुंची सागर की एसएफएल टीम ने बारीकी से साक्ष्य एकत्रित किए, वहीं दमोह से पहुंची डॉग स्क्वायड टीम ने भी जांच में सहयोग किया। शव की स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। फिलहाल हत्या, दुर्घटना या किसी अन्य साजिश की आशंकाओं के बीच पुलिस जांच कर रही है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के निष्कर्षों से ही मौत की असली वजह सामने आने की उम्मीद है।

500 CCTV कैमरों ने खोली लूट की पोल, व्यापारी का कर्मी ही निकला मास्टरमाइंड



रायसेन मंडी में मुनीम पर हमले और 10 से 15 लाख की लूट का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, चार लाख रुपये बरामद

रायसेन/नर्मदापुरम। गल्ला मंडी में व्यापारी के कार्यालय में घुसकर मुनीम पर जानलेवा हमला और लाखों रुपये की लूट के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। वारदात की साजिश व्यापारी के कर्मचारी शिवा गौर ने अपने साथी घनश्याम कीर के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चार लाख रुपये नकद सहित वारदात में इस्तेमाल औजार और कपड़े बरामद किए हैं। 12 नवंबर की रात व्यापारी मनोज राठौर के कार्यालय में सो रहे मुनीम पदमसिंह यादव के हाथ-पैर बांधकर बदमाशों ने सिर पर ईंट से हमला किया और अलमारी तोड़कर करीब 10 से 15 लाख रुपये लूट लिए थे। गंभीर रूप से घायल मुनीम को भोपाल रेफर किया गया था। पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और 300 से ज्यादा हिस्ट्रीशीटरों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि दोनों करीब छह महीने से लूट की योजना बना रहे थे। वारदात के बाद कपड़े बदलने, बाइक की नंबर प्लेट पर टेप लगाने और टेलीग्राम से संपर्क करने जैसी सावधानियां भी बरती थीं। इस खुलासे में नर्मदापुरम और सोहागपुर पुलिस की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पराली जलाने, नियम तोड़ने वालों पर प्रशासन सख्त बिना SMS हार्वेस्टर चलाने पर लगाया जुर्माना

आशापुरी पंचायत में सीईओ और तहसीलदार की संयुक्त कार्रवाई, हार्वेस्टर मालिकों को डीडी जमा करने के निर्देश; किसानों को पराली नहीं जलाने की सख्त चेतावनी

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

फसल कटाई के सीजन में पराली जलाने और पर्यावरण नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। ग्राम पंचायत आशापुरी में बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) के हार्वेस्टर संचालित किए जाने पर प्रशासनिक टीम ने कार्रवाई करते हुए संबंधित संचालकों पर जुर्माना लगाया और निर्धारित राशि का डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) बनवाने के निर्देश दिए।

जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज के मुख्य कार्यपालन अधिकारी निखिलेश कटारे और तहसीलदार गौहरगंज हेमंत शर्मा ने संयुक्त रूप से गांव में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बिना एसएमएस के फसल कटाई कर रहे हार्वेस्टर पाए जाने पर अधिकारियों ने संबंधित मालिकों से चर्चा की और



नियमों के उल्लंघन पर नियमानुसार चालानी कार्रवाई की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कृषि विभाग और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े निर्देशों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। आगे भी ग्रामीण क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर नियमों की जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने किसानों और हार्वेस्टर संचालकों को फसल अवशेष यानी पराली नहीं जलाने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है और वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। प्रशासन ने किसानों से धान की कटाई के दौरान एसएमएस युक्त हार्वेस्टर का ही उपयोग करने और फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है और इसमें सभी का सहयोग जरूरी है।

10 साल पुराने ट्रांसफार्मर को हटाने की तैयारी, किसानों में नाराजगी

मंत्री, कलेक्टर, बिजली विभाग के अधिकारियों से लगाई गुहार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

विद्युत वितरण केंद्र हर्रई-तेजगढ़ के अंतर्गत ग्राम पड़रिया सिंगौरगढ़ में बिजली विभाग द्वारा वर्षों से स्थापित ट्रांसफार्मर को दूसरी जगह शिफ्ट करने की तैयारी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। करीब 10 वर्षों से एक ही स्थान पर संचालित 25 केवी के ट्रांसफार्मर को चार पोल आगे लगाने की कवायद का किसानों ने विरोध किया है। उनका कहना है कि इससे करीब 10 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

किसान शिवराज सिंह लोधी ने मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता को आवेदन देकर बताया कि कृषि भूमि के लिए स्वीकृत ट्रांसफार्मर की ऑनलाइन लोकेशन नंबर 210 निर्धारित है। पिछले एक दशक से इसी स्थान से किसानों को बिजली मिल रही है, लेकिन अब इसे दूसरी जगह शिफ्ट करने की तैयारी की जा रही है। किसानों ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से यह बदलाव किया जा रहा है। शिवराज सिंह लोधी के साथ विजय सिंह, पुरुषोत्तम सिंह, रतन सिंह और पुष्पेंद्र सिंह ने ट्रांसफार्मर को पुरानी लोकेशन पर ही रखने की मांग की है। किसानों ने आवेदन की प्रतिलिपि मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, कलेक्टर दमोह और अधीक्षण अभियंता को भेजकर जांच की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया है कि जांच पूरी होने तक ट्रांसफार्मर शिफ्ट न किया जाए। मामले में पक्ष जानने के लिए कनिष्ठ अभियंता शिवदयाल अहिरवार से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

मेट्रो एंकर

कलेक्टर-एसपी ने संगम स्थल पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा

बांद्राभान मेले में सुरक्षा के लिए हर दुकान पर फायर एक्सटिंग्विशर अनिवार्य

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदा और तवा नदी के पवित्र संगम स्थल बांद्राभान में आयोजित होने वाले वार्षिक मेले की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने कमर कस ली है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार को कलेक्टर आशीष वशिष्ठ एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने मेला स्थल का निरीक्षण किया। जिला मुख्यालय से करीब 8 किलोमीटर दूर स्थित संगम स्थल पर पहुंचकर अधिकारियों ने विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित विभागों को समय सीमा में तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मेले तक पहुंचने वाले मार्गों की मरम्मत मुरम और



बजरी डालकर कराने के निर्देश दिए। खनिज विभाग को मुख्य मार्ग सहित अन्य रास्तों का सुधार गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराने को कहा। श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने पीएचई विभाग को नियमित पानी की जांच के लिए विशेष दल गठित करने के निर्देश दिए। सफाई व्यवस्था के लिए पर्याप्त कचरा वाहन और नियमित कचरा उठाव सुनिश्चित करने को कहा।

झूलों की सुरक्षा और अग्निशमन पर विशेष ध्यान

मेले में लगने वाले झूलों का लोक निर्माण विभाग और संबंधित अधिकारियों द्वारा परीक्षण किया जाएगा। सुरक्षा प्रमाणपत्र के साथ विद्युत एवं फायर सेफ्टी की मंजूरी भी जरूरी होगी। एसपी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक दुकान, विशेषकर खाद्य सामग्री की दुकानों में फायर एक्सटिंग्विशर अनिवार्य रूप से रखा जाए। आपात स्थिति से निपटने के लिए मेला स्थल के पास फायर ब्रिगेड और अग्निशमन दल तैनात रहेगा। यातायात और पार्किंग व्यवस्था को भी व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण में जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)-462002

ई-मेलः eephedqcbpl@mp.gov.in दूरभाष क्रमाँक - 0755-2661511

क्रमाँक : 24 /तक/का. यं/लो.स्वा.यां.वि./गु.नि.इ.खंड/भोपाल 2026-27 दिनाँक 12.11.2026

//निविदा आमंत्रण संशोधित सूचना //

ऑनलाइन डिजीटली सील्ड निविदा मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से फार्म "सी" पर "T.C. BUTTON BITS AND HAMMERS" के प्रदाय कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 12.11.2026 से दिनांक 27.11.2026 को 16:00 बजे तक क्रय किये जाकर दिनांक 27.11.2026 को 16:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत करना है। लिफाफा 'ए' दिनांक 30.11.2026 को 16:00 बजे खोली जावेगी। बेवसाईट www.mptenders.gov.in (E-Tender No. 2026_PHED_548942_1, PHED Date 12.11.2026)

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1	"T.C. BUTTON BITS AND HAMMERS"	-	रू. 200000.00 (रू. दो लाख मात्र)	रू. 2000.00 (रू. दो हजार मात्र)	-

- विस्तृत शर्तें कार्यालयीन समय में देखी जा सकती हैं।
- मुख्य तिथियाँ
  - क्रय करने की तिथि : 12.11.2026 से 27.11.2026 16:00 बजे तक
  - जमा करने की अंतिम तिथि : 27.11.2026 16:00 बजे तक
  - बोली पूर्व बैठक तिथि : 16.11.2026 16:00 बजे
  - लिफाफा 'ए' खुलने की तिथि : 30.11.2026 16:00 बजे तक

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड, भोपाल

G-21565/26

तिली, धर्मश्री, राजीव नगर, शास्त्री वार्ड और संजय ड्राइव की दुकानों का हुआ औचक निरीक्षण, दुकान या आसपास नियम विरुद्ध शराब पीने पर होगी सख्त कार्रवाई

कलेक्टर-एसपी रात में निकले निरीक्षण पर, शराब दुकानों में खंगाला स्टॉक, बोतल का क्यूआर कोड कराया स्कैन

सागर। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव सोमवार रात्रि पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा सहित आबकारी विभाग एवं अन्य अधिकारियों के साथ शहर की विभिन्न शराब दुकानों के औचक निरीक्षण पर निकले। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने तिली, धर्मश्री, राजीव नगर, शास्त्री वार्ड, संजय ड्राइव सहित शहर की अन्य दुकानों का जायजा लिया।कलेक्टर यादव ने संबंधित अधिकारी से शराब की बोतल पर अंकित क्यूआर कोड स्कैन करवाया तथा उसकी जानकारी ली। उन्होंने दुकान में उपलब्ध शराब के स्टॉक, उसके संधारण, बिक्री व्यवस्था, ऑनलाइन एवं नकद भुगतान की प्रक्रिया को बारीकी से परखा। स्टॉक के रिकॉर्ड और बिक्री से संबंधित व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।इसके साथ ही कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने शराब दुकानों के आसपास स्थित अन्य दुकानों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। कलेक्टर यादव ने स्पष्ट किया कि शासन के



निर्देशानुसार दुकान से शराब क्रय करने वाला कोई भी व्यक्ति दुकान या उसके आसपास या अन्य किसी क्षेत्र में नियम विरुद्ध शराब का सेवन न करे। शहर में अवैध शराब की बिक्री और इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही को रोकने के लिए इस प्रकार के निरीक्षण न केवल शहर में बल्कि सभी तहसीलों में जारी रहेंगे।निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री, सिटी मजिस्ट्रेट शैलेष द्विवेदी, सहायक आबकारी आयुक्त वंदना पांडे सहित पुलिस एवं आबकारी विभाग का अमला उपस्थित रहा।

नकली शराब, स्टॉक का होगा मिलान

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने निरीक्षण के दौरान शराब की बोतलों पर अंकित क्यूआर कोड स्कैन करवाकर उसकी प्रामाणिकता की जांच की। इससे यह पता चल सकेगा कि दुकान पर बिक रही शराब वैध है या अवैध। अधिकारियों ने दुकान में रखे स्टॉक का रिकॉर्ड से मिलान किया और बिक्री के आंकड़ों को भी परखा। ऑनलाइन और नकद भुगतान की प्रक्रिया की भी जानकारी ली गई। कलेक्टर ने कहा कि क्यूआर कोड स्कैनिंग से नकली शराब की बिक्री पर अंकुश लगेगा और उपभोक्ताओं को शुद्ध शराब मिलेगी। साथ ही स्टॉक में गड़बड़ी करने वालों पर भी नजर रहेगी। इस व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी और आबकारी विभाग की निगरानी और मजबूत होगी।

दुकान के बाहर शराब पीना पड़ेगा महंगा, चलेगा अभियान

कलेक्टर यादव ने निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति दुकान या उसके आसपास नियम विरुद्ध शराब का सेवन न करे। दुकानों के आसपास खुलेआम शराब पीने वालों पर पुलिस और आबकारी विभाग संयुक्त कार्रवाई करेगा। अवैध शराब की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए शहर के साथ-साथ सभी तहसीलों में भी इसी तरह औचक निरीक्षण जारी रहेंगे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। इससे कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी और आम लोगों को दुकानों के आसपास होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी।

न्यूज विंडो

आधी रात घर के बाड़े में पेट्रोल छिड़ककर लगाई आग, धू-धूकर जली स्कूटी, गाय झुलसी



सतना। शहर के कोलगवां थाना क्षेत्र के नैना सगमनिया गांव में अज्ञात व्यक्ति ने एक घर के बाड़े में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आग इतनी तेजी से फैली कि वहां खड़ी स्कूटी पूरी तरह जलकर खाक हो गई, जबकि एक गाय झुलस गई। बाड़े में रखा अन्य सामान भी आग की चपेट में आकर नष्ट हो गया। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर सो रहे थे। बाड़े से उठती आग की लपटें और धुआं देखकर परिजनों की नींद खुली। इसके बाद उन्होंने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही बाबूपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पीड़ित मनजय सिंह ने गांव के कुछ युवकों पर वारदात को अंजाम देने का संदेह जताया है। उनका मानना है कि पुरानी रंजिश के चलते इस घटना को अंजाम दिया गया। पीड़ित ने कोलगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल आग लगाने की वजह और आरोपियों की पहचान स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

इंदौर: जल संरक्षण के लिए ननि सख्त, पानी बहाने पर 16 नागरिकों के बनाए चालान



इंदौर। शहर में पेयजल की बर्बादी रोकने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। अब सड़क पर व्यर्थ पानी बहाने वाले नागरिकों के खिलाफ सीधे चालानी कार्रवाई की जा रही है। मुराई मोहल्ला की गली नंबर-2 में सड़क पर पानी बहाने वाले 16 नागरिकों के चालान बनाए गए। दरअसल, कुछ दिन पहले निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने जोन-12 के वार्ड-62 का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान सड़कों पर पानी बहता देख उन्होंने नाराजगी जताई और अधिकारियों को बर्बादी रोकने के निर्देश दिए थे। इसके बाद निगम की टीमों ने जागरूकता अभियान के साथ कार्रवाई शुरू कर दी। उपयंत्री सौरभ समैया, सहायक सीएसआई चेतन, जल प्रदाय विभाग और टीम रूस्श्व के सदस्य अभियान में जुटे हैं। टीमें घर-घर जाकर लोगों को पानी का महत्व समझा रही हैं। नागरिकों को निजी नलों में टोंटियां लगवाने और सड़क पर पानी नहीं बहाने की हिदायत दी जा रही है। निगम ने स्पष्ट किया है कि जल बर्बादी करने वालों पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

नपा की उदासीनता पर पार्षदों का हल्लाबोल

विशेष सम्मेलन बुलाने की मांग की



नरसिंहपुर। नगर पालिका की कार्यप्रणाली और शहर की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने से पार्षदों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। विभिन्न जनहित के मुद्दों पर चर्चा कर ठोस निर्णय लेने के उद्देश्य से भाजपा और कांग्रेस के अनेक पार्षदों ने विशेष सम्मेलन बैठक बुलाने की मांग की है। इस संबंध में पार्षदों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को मांग पत्र सौंपा। साथ ही बैठक में चर्चा के लिए प्रस्तावित विषयों की एजेंडा प्रतिलिपि भी दी। पार्षदों का कहना है कि शहर की समस्याओं और व्यवस्थाओं में सुधार के लिए विशेष सम्मेलन में सामूहिक चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए जाने चाहिए। अब सभी की नजरें नगर पालिका प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

शहर की व्यवस्थाओं और जनहित के मुद्दों पर बढ़ा आक्रोश, भाजपा-कांग्रेस के पार्षदों ने एकजुट होकर सीएमओ को सौंपा मांग पत्र व एजेंडा

मेडिकल कॉलेज में होंगी 100 एमबीबीएस सीटें

मुरैना बना एमपी का दूसरा जिला, जहां मेडिकल आयुर्वेद और हार्टिकल्चर कॉलेज होंगे स्थापित

मंदसौर के बाद प्रदेश का दूसरा जिला बनेगा मुरैना, हार्टिकल्चर कॉलेज का 40 फीसदी निर्माण पूरा

मुरैना। दोपहर मेट्रो

चंबल अंचल के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि की उम्मीद जगी है। मुरैना प्रदेश का दूसरा ऐसा जिला बनने जा रहा है, जहां मेडिकल, आयुर्वेद और हार्टिकल्चर (उद्यानिकी) कॉलेज स्थापित होंगे। अभी प्रदेश में तीनों संस्थान मंदसौर में संचालित हैं। इन कॉलेजों के शुरू होने से मुरैना सहित भिंड और आसपास के जिलों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

मुरैना में धौलपुर रोड स्थित नेशनल हाईवे-44 के किनारे निजी मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार है। वहीं करुआ गांव में सरकारी मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन आवंटित है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 6 नवंबर को मुरैना दौरे पर इसके निर्माण का काम जल्द शुरू कराने की बात कही थी। यहां 100 एमबीबीएस सीटें प्रस्तावित हैं।

अंबाह तहसील के ऐसाह में 160 करोड़ रुपए की लागत से हार्टिकल्चर कॉलेज बन रहा है। इसका करीब 40 प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं निवी गांव में 72 करोड़ रुपए की लागत से आयुर्वेद कॉलेज प्रस्तावित है। इसमें बीएमएस की 100 सीटें होंगी। हालांकि, जमीन की पहुंच को लेकर सवाल उठ रहे हैं। प्रशासन का दावा है कि टेंडर हो चुके हैं और जल्द निर्माण शुरू होगा।



सरकारी मेडिकल कॉलेज का तीन साल से इंतजार

मुरैना के करुआ गांव में सरकारी मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन आवंटित हो चुकी है। विधानसभा चुनाव 2023 की आचार संहिता लागू होने से पहले इसका भूमिपूजन भी किया गया था, लेकिन अब तक निर्माण के लिए बजट स्वीकृत नहीं हुआ और न ही टेंडर जारी किए गए। सरकार करीब तीन साल से पीपीपी मॉडल पर कॉलेज संचालित करने की बात कहती रही है। इस बीच धौलपुर रोड पर निजी मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूरा हो चुका है। सरकारी कॉलेज को लेकर उम्मीदें कमजोर पड़ रही थीं, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 6 नवंबर को मुरैना दौरे के दौरान जल्द निर्माण शुरू कराने का आश्वासन दिया। कॉलेज शुरू होने पर एमबीबीएस की 100 सीटें उपलब्ध होंगी।

160 करोड़ का हार्टिकल्चर, 72 करोड़ का आयुर्वेद कॉलेज

अंबाह तहसील के ऐसाह में 130 हेक्टेयर जमीन पर 160 करोड़ रुपए की लागत से हार्टिकल्चर कॉलेज बनाया जा रहा है। इसका निर्माण झांसी के रानी लक्ष्मीबाई कृषि विश्वविद्यालय की देखरेख में हो रहा है। करीब 40 प्रतिशत काम पूरा है। यहां फल, सब्जी, फूलों की खेती, पौध संरक्षण और वानिकी की पढ़ाई होगी। दूसरी ओर निवी गांव में 72 करोड़ रुपए की लागत से आयुर्वेद कॉलेज प्रस्तावित है। इसमें बीएमएस की 100 सीटें रहेंगी और 2027 के शैक्षणिक सत्र से शुरुआत की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, कॉलेज के लिए आवंटित जमीन तक पहुंचने का रास्ता बड़ी चुनौती है। आयुष विभाग के अनुसार निर्माण के टेंडर हो चुके हैं और जल्द काम शुरू होगा।

आधे अमले के भरोसे अनूपपुर का खनिज विभाग 18 में से करीब 9 पद खाली

अतिरिक्त कार्यभार से मानसिक तनाव और शारीरिक थकान बढ़ने की आशंका

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले का खनिज विभाग इन दिनों कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहा है। स्वीकृत पदों की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत पद रिक्त होने के कारण विभागीय कामकाज सीमित अमले के भरोसे संचालित हो रहा है। जिला खनिज कार्यालय में कुल 18 पद स्वीकृत हैं, लेकिन करीब आधे पद खाली होने से कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ता जा रहा है।

विभाग के सामने खनिज गतिविधियों की निगरानी, अवैध उत्खनन और परिवहन पर नियंत्रण, राजस्व वसूली, शिकायतों की जांच सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं। इन सभी कार्यों को सीमित कर्मचारियों के माध्यम से पूरा करना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। लगातार बढ़ते कार्यभार और पर्याप्त मानव संसाधन की कमी से कर्मचारियों पर मानसिक दबाव और शारीरिक थकान बढ़ने की आशंका है।

इसका असर उनकी कार्यक्षमता, स्वास्थ्य और कार्य-जीवन संतुलन पर भी पड़ सकता है। सवाल यह है कि जब आधे पद खाली हैं, तो सीमित अमले से पूरे जिले की खनिज गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? शासन और जिला प्रशासन को रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति के साथ कार्यभार का उचित वितरण और कर्मचारियों की कार्य परिस्थितियों में सुधार करने की जरूरत है।

घर के अंदर संदिग्ध हालत में मिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर का शव

इंदौर। दोपहर मेट्रो

शहर के पॉश इलाके मनोरमागंज में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवक अपने घर के अंदर अचेत अवस्था में मिला। आसपास के लोगों ने उसे तत्काल उपचार के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। फिलहाल युवक की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

मृतक की पहचान शौर्य पिता पंकज माली के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, वह पलासिया थाना क्षेत्र के मनोरमागंज में देवी अपार्टमेंट के पास स्थित एक मकान में अचेत अवस्था में पड़ा मिला था। उसकी हालत देखकर स्थानीय लोगों ने बिना देर किए उसे अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की। हालांकि, अस्पताल



पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसकी मौत की पुष्टि कर दी।

सूचना मिलने के बाद पलासिया थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि शौर्य की मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस मौत की असल वजह जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जबलपुर में वन विभाग का रेस्क्यू दल देरी से पहुंचा तो महिला ने खुद पकड़ लिया मगरमच्छ

घाना में फिश टैंक में घुसा था चार फीट लंबा मगरमच्छ का बच्चा, दो दिन में 30 किलो मछलियां कर गया सफाचट, रेस्क्यू में देरी से ग्रामीणों ने संभाला मोर्चा

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

वन विभाग की रेस्क्यू टीम के इंतजार के बीच एक महिला ने ग्रामीणों की मदद से खुद ही मगरमच्छ को पकड़ने का मोर्चा संभाल लिया। मामला खमरिया के घाना क्षेत्र का है, जहां एक खेत में बने फिश टैंक में करीब चार फीट लंबा मगरमच्छ का बच्चा घुस गया था। दो दिन तक टैंक में मौजूद रहे इस मगरमच्छ ने करीब 25 से 30 किलो मछलियां खा लीं। टैंक मालिक को जब पानी में मरी हुई मछलियों के अवशेष तैरते दिखाई दिए, तो उन्होंने जांच की। इसी दौरान मगरमच्छ की मौजूदगी का पता चला।

घटना से घबराए टैंक मालिक ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी और रेस्क्यू टीम का इंतजार करने



लगे। लेकिन काफी देर तक विभागीय अमला मौके पर नहीं पहुंचा। ऐसे में स्थानीय लोगों ने खुद ही मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ने का निर्णय लिया।

ग्रामीणों की मदद से दोपहर करीब दो बजे फिश टैंक में जाल डाला गया और मगरमच्छ के बच्चे को सुरक्षित पकड़ लिया गया। इस दौरान महिला ने भी साहस दिखाते हुए रेस्क्यू में अहम भूमिका निभाई। घटना की जानकारी वन्य प्राणी विशेषज्ञ शंकरेन्दुनाथ को भी दी गई, जिसके बाद उन्हें मौके पर बुलाया गया। मगरमच्छ के पकड़े जाने से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

मेट्रो एंकर कक्षा सातवीं के गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के शिक्षक सीख रहे आधुनिक शिक्षण तकनीकें

नई शिक्षा नीति से बदलेगा अंदाज, डाइट में शिक्षकों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) नरसिंहपुर में कक्षा सातवीं के विषय शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण 16 नवंबर से प्रारंभ हुआ। इसमें विकासखंड नरसिंहपुर के विद्यालयों में गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान पढ़ाने वाले शिक्षक शामिल हो रहे हैं।

प्रशिक्षण में शिक्षकों को नई पाठ्यपुस्तकों, बहुविध शिक्षण पद्धति और गतिविधि आधारित शिक्षण की जानकारी दी जा रही है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के अनुरूप कक्षा शिक्षण को प्रभावी बनाने तथा विद्यार्थियों में विषय की बेहतर समझ और तार्किक क्षमता विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर शिक्षकों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। इस दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा और



बीआरसीसी विनोद झरिया ने भी शिक्षकों को संबोधित कर नई शिक्षण प्रक्रियाओं को कक्षाओं में अपनाने की आवश्यकता बताई।

तीन विषयों के विशेषज्ञ मास्टर ट्रेनर दे रहे प्रशिक्षण

विज्ञान विषय में राजकुमार कुशवाहा और यजुवेंद्र सिंह सिलावट, गणित में ब्रजेश कुमार नेमा और आरपी शर्मा तथा सामाजिक विज्ञान में मधुसूदन दुबे और महेश कुमार झारिया मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण दे रहे हैं। सभी प्रशिक्षक राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से प्रशिक्षित हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को नई पाठ्यपुस्तकों के अनुरूप अध्यापन, प्रभावी शिक्षण तकनीकों और विद्यार्थियों को गतिविधियों के माध्यम से विषय समझाने के तरीके बताए जा रहे हैं।

दो चरणों में होगा प्रशिक्षण, दिसंबर में दूसरा चरण

कक्षा सातवीं के विषय शिक्षकों का प्रशिक्षण दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण 16 से 20 नवंबर 2026 तक संचालित होगा, जबकि द्वितीय चरण 14 से 18 दिसंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। दोनों चरणों का प्रशिक्षण स्थल डाइट नरसिंहपुर निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण से दक्ष बनाना और विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करना है।

न्यूजीलैंड में टीम इंडिया की असली परीक्षा!

वनडे के बाद अब टेस्ट की अग्निपरीक्षा, 25 मुकाबलों में सिर्फ 5 जीत का रिकॉर्ड डराएगा

19 नवंबर से वेलिंग्टन में शुरू होगी टेस्ट सीरीज, शुभमन गिल पर बल्लेबाजी की बड़ी जिम्मेदारी

बुमराह की अगुवाई में कीवी तेज गेंदबाजों को चुनौती देने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली , एजेंसी

टी20 और एकदिवसीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती खड़ी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज 3-1 से जीतने के बाद टीम इंडिया अब टेस्ट क्रिकेट में अपना दम दिखाने उतरेगी। हालांकि, न्यूजीलैंड की धरती पर भारतीय टीम का पुराना रिकॉर्ड चिंता बढ़ाने वाला है। तेज गेंदबाजों के लिए मददगार परिस्थितियों में भारतीय बल्लेबाजों की तकनीक और धैर्य की कड़ी परीक्षा होने वाली है। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंग्टन में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम को हमेशा मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। अब तक दोनों देशों के बीच न्यूजीलैंड में खेले गए 25 टेस्ट मुकाबलों में भारत को केवल 5 में जीत मिली है, जबकि 10 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। बाकी 10 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारत के लिए चिंता की बात यह भी है कि वर्ष 2020 में न्यूजीलैंड के पिछले दौरे पर टीम को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी। इसके बाद 2024 में न्यूजीलैंड ने भारतीय धरती पर भी इतिहास रचते हुए तीन मैचों



19 नवंबर से शुरू होगी पहली जंग

दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंग्टन में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगा। भारतीय टीम के सामने चुनौती केवल सीरीज जीतने की नहीं, बल्कि न्यूजीलैंड की धरती पर अपने कमजोर टेस्ट रिकॉर्ड को सुधारने की भी होगी। वनडे में मिली सफलता से टीम का आत्मविश्वास जरूर बढ़ा होगा, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में पांच दिन तक निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होगा। अब देखना होगा कि शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया कीवी धरती पर इतिहास बदल पाती है या नहीं।

शुभमन गिल के कंधों पर बल्लेबाजी का भार

इस टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाजी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कप्तान शुभमन गिल पर होगी। गिल शानदार फॉर्म में हैं और उनसे न्यूजीलैंड की तेज पिचों पर बड़ी पारियां खेलने की उम्मीद रहेगी। उनका साथ देने के लिए यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल जैसे प्रतिभाशाली बल्लेबाज मौजूद हैं। इन सभी को कीवी तेज गेंदबाजों के सामने धैर्य और तकनीक का बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में नई गेंद से तेज गेंदबाजों को स्विंग और सीम मूवमेंट मिलने की संभावना रहती है। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों के लिए शुरुआती ओवरों में विकेट बचाना और लंबी पारियां खेलना बेहद महत्वपूर्ण होगा।

बुमराह संभालेंगे तेज गेंदबाजी की कमान

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई जसप्रीत बुमराह करेंगे। उनका साथ मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा देते नजर आएंगे। गुरनूर बरार को भी सीरीज से ठीक पहले टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा नीतीश कुमार रेड्डी की भूमिका भी काफी अहम होगी। वह बल्ले और गेंद दोनों से टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में भारतीय तेज गेंदबाजों को भी मेजबान बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का अच्छा मौका मिलेगा।

चयनकर्ताओं के सामने सूर्या का तूफान

दो पारियों से ठोका वापसी का दावा, धोनी की फिल्म का डायलॉग सुनाकर दिया संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टी-20 टीम से बाहर चल रहे स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने घरेलू क्रिकेट में अपने बल्ले से ऐसा तूफान खड़ा किया है कि चयनकर्ताओं का ध्यान एक बार फिर उनकी ओर खिंच गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी कर रहे सूर्या ने लगातार दो मुकाबलों में विस्फोटक पारियां खेलकर टीम इंडिया में वापसी का मजबूत दावा पेश किया है। उनकी बल्लेबाजी में वही पुराना आक्रामक अंदाज नजर आ रहा है, जिसके दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई थी। खास बात यह रही कि मैदान पर रनों की बरसात करने के बाद सूर्या ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बायोपिक का मशहूर संवाद सुनाकर चयनकर्ताओं को भी दिलचस्प संदेश दे दिया।

21 गेंदों में 60 रन ठोक चयनकर्ता का खींचा ध्यान- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पहले मुकाबले में मुंबई का सामना हैदराबाद से हुआ। कोलकाता में खेले गए इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने महज 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल रहे। सूर्या ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाकर गेंदबाजों को बेबस कर दिया। उनकी बल्लेबाजी की खास बात यह रही कि उन्होंने बेहद कम गेंदों में मुकाबले का रुख मुंबई के पक्ष में मोड़ने का काम किया। इस मुकाबले को देखने के लिए बीसीसीआई की सीनियर चयन समिति के सदस्य शिव सुंदर दास भी मैदान पर मौजूद थे। ऐसे में सूर्या की इस विस्फोटक पारी को उनकी वापसी की दावेदारी के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है।



सूर्यकुमार यादव का जवाब बना चर्चा का विषय

मैच के बाद जब सूर्यकुमार यादव से उनकी बल्लेबाजी और भारतीय टीम में वापसी की योजना के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए धोनी की बायोपिक एमएस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी का मशहूर संवाद याद दिलाया। सूर्या ने कहा कि फिल्म में माही भाई के दोस्त ने कहा था- सेलेक्टर जहां बैठा है, वहीं मारना। उन्होंने आगे कहा कि आज उनका भी बिल्कुल यही प्लान था। सूर्या का यह जवाब चर्चा का विषय बन गया। हालांकि, उन्होंने इसे किसी के खिलाफ बयान देने के बजाय अपनी बल्लेबाजी के अंदाज से जोड़कर पेश किया। उनका कहना था कि वह तीसरे से पांचवें नंबर के बीच बल्लेबाजी करते हुए जोखिम भरा लेकिन उपयोगी खेल खेलना चाहते हैं, ताकि टीम के लिए लगातार रन बना सकें और जीत में योगदान दे सकें।

सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी ने रचा इतिहास



इंडियन वेल्स। कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने शानदार खेल, बेहतरीन तालमेल और दमदार प्रदर्शन के दम पर डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। खिताबी मुकाबले में इस जोड़ी ने इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से शिकस्त देकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस जीत के साथ सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने एक टीम के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स खिताब जीतकर अपने शानदार सफर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ दी। इस खिताबी जीत का महत्व दोनों खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग भी बेहद खास रहा। टेलर टाउनसेंड ने पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, जबकि कैटरीना सिनियाकोवा ने दूसरी बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की ट्रॉफी उठाई। इससे पहले सिनियाकोवा ने 2021 में बारबोरा क्रेजकोवा के साथ मिलकर यह खिताब जीता था।

तीन खिलाड़ियों की अदला-बदली से बदलेगी टीमों की तस्वीरलखनऊ आएंगे सैम करन

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र से पहले खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर बड़ी हलचल शुरू हो गई है। लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच तीन खिलाड़ियों को लेकर अहम समझौता हुआ है। इसके तहत भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनेंगे, जबकि इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी सैम करन राजस्थान से लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल होंगे। इसके अलावा तमिलनाडु के बाएं हाथ के स्पिनर एम. सिद्धार्थ भी लखनऊ से राजस्थान का रुख करेंगे। इस अदला-बदली से दोनों टीमों की गेंदबाजी और बल्लेबाजी का संतुलन बदलने की उम्मीद है।

मोहम्मद शमी के राजस्थान से जुड़ने की खबर को टीम की गेंदबाजी

शमी की राजस्थान में एंट्री, तेज गेंदबाज के साथ जोफा आर्चर की बनेगी जोड़ी



लखनऊ को मिलेगा सैम करन का सहारा

दूसरी ओर, सैम करन के लखनऊ से जुड़ने से टीम को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में मजबूती मिलेगी। करन अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह इससे पहले पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल चुके हैं। अगले सत्र में लखनऊ उनकी तीसरी टीम होगी। चोट के कारण वह पिछले सत्र में नहीं खेल पाए थे। करन वर्ष 2022 में इंग्लैंड को टी-20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्हें उस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। फाइनल मुकाबले में भी वह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे थे। ऐसे में लखनऊ को उनसे मध्यक्रम में तेजी से रन बनाने और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी में योगदान देने की उम्मीद होगी। सैम करन के लखनऊ आने के बाद कप्तानी को लेकर भी चर्चाएं तेज हो सकती हैं। ऋषभ पंत के टीम छोड़कर दिल्ली कैपिटल्स में लौटने के बाद लखनऊ के सामने नए कप्तान का चयन करने की चुनौती है। करन के अलावा एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, मिचेल मार्श और जोश इंग्लिस भी कप्तानी के संभावित विकल्प माने जा रहे हैं।

मजबूत करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। सितंबर में 36 साल के हुए शमी ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है। हालांकि, पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन बहुत प्रभावशाली नहीं रहा। उन्होंने 13 मुकाबलों में 12 विकेट हासिल किए और उनकी रन देने की दर नौ प्रति ओवर रही। इसके बावजूद शमी का अनुभव राजस्थान के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। खासकर शुरुआती ओवरों में विकेट निकालने की उनकी क्षमता टीम के काम आ सकती है। वर्ष 2024 से अब तक शमी ने शुरुआती छह ओवरों में 14 विकेट लिए हैं और इस दौरान उनकी रन देने की दर 8.76 रही है। राजस्थान की गेंदबाजी में शमी के आने से इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर के साथ उनकी जोड़ी बन सकती है। आर्चर पिछले सत्र में टीम के प्रमुख विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल थे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कॉल मी बे ने बदल दी लिसा मिश्रा की जिंदगी! म्यूजिक से एक्टिंग तक का सफर बना टर्निंग पॉइंट

भारतीय-अमेरिकी गायिका और गीतकार लिसा मिश्रा इन दिनों अपनी वेब सीरीज कॉल मी बे को लेकर चर्चा में हैं। म्यूजिक की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद अभिनय के क्षेत्र में कदम रखने वाली लिसा के लिए यह सीरीज करियर का अहम पड़ाव साबित हुई है। दूसरे सीजन की रिलीज से पहले उन्होंने अपने अभिनय सफर, नए अनुभवों और इस शो से मिले आत्मविश्वास को लेकर खुलकर बात की। लिसा का कहना है कि कॉल मी बे ने उन्हें एक कलाकार के रूप में खुद के नए पहलुओं को पहचानने का मौका दिया।

लिसा मिश्रा ने बताया कि संगीत की पृष्ठभूमि से आने के कारण अभिनय उनके लिए बिल्कुल अलग अनुभव था। इस सीरीज ने उन्हें नई भावनाओं को समझने, किरदारों की गहराई में उतरने और अपनी अभिनय क्षमता को परखने का अवसर दिया। उन्होंने



कहा, कॉल मी बे मेरी यात्रा का बहुत खास हिस्सा रहा है, क्योंकि इसने मुझे एक परफॉर्मर के तौर पर खुद के एक अलग पहलू को जानने का मौका दिया है। म्यूजिक बैकग्राउंड से आने के बाद एक्टिंग में कदम रखने से मुझे नई भावनाओं को एक्सप्लोर करने और खुद को उन तरीकों से चुनौती देने का अवसर मिला, जिन्हें मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया था। लिसा के मुताबिक, पहले सीजन को दर्शकों से मिले प्यार और सराहना ने उनके इस अनुभव को और यादगार बना दिया। दर्शकों का अपने किरदार से जुड़ाव उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रहा। अब वह दूसरे सीजन की वापसी को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि इस शो ने उनके करियर में एक नया अध्याय खोला है। हर प्रोजेक्ट कलाकार को कुछ नया सिखाता है और कॉल मी बे ने उन्हें अपने इंस्टिंक्ट पर भरोसा करने तथा कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने की प्रेरणा दी है।

नए किरदारों से खुद को चुनौती देना चाहती हैं लिसा

अभिनेत्री का कहना है कि वह लगातार सीखने और अपनी क्रिएटिव सीमाओं को आगे बढ़ाने में विश्वास रखती हैं। वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं, जो उन्हें अभिनय के स्तर पर चुनौती दें और दर्शकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव भी कायम करें। लिसा ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में उन्हें अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाने का मौका मिलेगा। उनके लिए सफलता केवल नए प्रोजेक्ट हासिल करना नहीं, बल्कि हर किरदार के साथ एक बेहतर कलाकार के रूप में विकसित होना भी है।

साई पल्लवी ने फिल्म के लिए कटवाए बाल, नया लुक देखकर मां ने तुरंत काट दिया वीडियो कॉल!

मुंबई। अपनी शानदार अदाकारी और सादगी के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री साई पल्लवी इन दिनों अपनी आगामी एक्शन-ड्रामा फिल्म ओमः चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह आईपीएस अधिकारी नित्या रेड्डी की दमदार भूमिका निभाती नजर आएंगी। खास बात यह है कि अपने किरदार को वास्तविक रूप देने के लिए अभिनेत्री ने अपने लंबे बाल तक कटवा दिए। हालांकि, उनके इस नए लुक को देखकर उनकी मां इतनी हैरान हो गईं कि उन्होंने तुरंत वीडियो कॉल ही काट दिया।

छोटे बाल देखकर मां रह गईं हैरान

हाल ही में एक पॉडकास्ट में साई पल्लवी और फिल्म के निर्देशक राजकुमार पेरियासामी ने इस दिलचस्प किस्से का खुलासा किया। अभिनेत्री ने बताया कि बाल कटवाने से पहले उन्होंने अपनी मां को इस बारे में कुछ नहीं बताया था। नया लुक तैयार होने के बाद उन्होंने सबसे पहले मां को वीडियो कॉल किया। साई पल्लवी ने बताया, ÷बाल कटवाने के बाद सबसे पहले मैंने अपनी मां को वीडियो कॉल करके नया लुक दिखाया। छोटे बालों में मुझे देखकर वह बिल्कुल हैरान रह गईं और अचानक फोन काट दिया। कुछ देर बाद पिताजी का फोन आया। उन्होंने पूछा कि क्या मैंने



विग पहनी है? तब मैंने उन्हें समझाया कि फिल्म के किरदार की जरूरत के कारण मुझे बाल कटवाने पड़े।÷ अभिनेत्री ने बताया कि जब निर्देशक राजकुमार पेरियासामी ने उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई, तभी से वह सोच रही थीं कि इस चुनौतीपूर्ण किरदार को किस तरह निभाएंगी। निर्देशक ने उन्हें चर्चित आईपीएस अधिकारी मेरिन जोसेफ की तस्वीर दिखाई और उसी तरह का लुक तैयार करने की बात कही। साई पल्लवी ने कहा कि तस्वीर में अधिकारी के बाल छोटे थे। जब उन्होंने इस बारे में निर्देशक से बात की तो उन्होंने सुझाव दिया कि बाल छोटे करवाने से किरदार का लुक बेहतर बनेगा।



मेट्रो बाजार

भारत ने डिजिटाइजेशन में किया बेहतरीन काम, एआई में भी निभा सकता है बड़ी भूमिका

नई दिल्ली । आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा ने सोमवार को कहा कि मजबूत सरकारी नीतियों के दम पर, भारत वैश्विक स्तर पर एआई में बड़ी भूमिका निभा सकता है। आईबीएम सीईओ कृष्णा ने कहा कि भारत ने डिजिटलीकरण में बहुत अच्छा काम किया है जिसमें बायोमेट्रिक्स का डिजिटलीकरण , डिजिटल भुगतान और क्रिक कॉमर्स शामिल हैं। कृष्णा ने आगे कहा, मुझे लगता है कि एआई के मामले में भारत को यह तय करना होगा कि वह वास्तव में क्या करना चाहता है। जहां तक सरकार की बात है, तो मुझे लगता है कि सरकार ने वह सब किया है जो वह कर सकती थी। सरकार इस बात का ध्यान रख रही है कि कहीं बहुत ज्यादा नियम-कानून न थोप दिए जाएं, क्योंकि जैसा कि हमने यूरोप में देखा है, अगर आप बहुत ज्यादा नियम लागू कर देते हैं, तो फिर कोई इकोसिस्टम ही नहीं बचता। आईबीएम के सीईओ ने आगे कहा कि भारत देश के भीतर ही एआई को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, जिसका इस्तेमाल वह विभिन्न सरकारी कार्यों के लिए करेगा। उन्होंने आगे कहा, ÷मुझे लगता है कि सरकार अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रही है, लेकिन मैं इस बात का समर्थक नहीं हूँ कि सरकार कंपनियों को आर्थिक मदद दे या ऊपर से थोपी गई कोई औद्योगिक नीति बनाए। मुझे लगता है कि यह एक खतरनाक रास्ता हो सकता है।

भारत की होगी री-रेटिंग; सेंसेक्स के 2027 के अंत तक 95,000 पर पहुंचने का अनुमान

मुंबई। भारत की री-रेटिंग होने की उम्मीद है और इससे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का मुख्य सूचकांक सेंसेक्स बेस केस सिनारियो (जिसके होने की संभावना 50 प्रतिशत है) में दिसंबर, 2027 के अंत तक 95,000 तक पहुंच सकता है। इसकी वजह मजबूत घरेलू आर्थिक आंकड़े, कॉरपोरेट आय और स्थिर आर्थिक माहौल होना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में कहा गया कि यह लक्ष्य पिछले सत्र की क्लोजिंग 81,592.45 से करीब 16 प्रतिशत ज्यादा है। इस टारगेट पर इंडेक्स पीई वैल्यू 23 की निकलती है, जो कि मुख्य सूचकांक के 25 वर्षों की औसत पीई 22 से अधिक है। ब्रोकरेज के अनुसार, ऐतिहासिक औसत के मुकाबले यह प्रीमियम भारत के मध्यम अवधि के विकास चक्र में अधिक भरोसे, कम मार्केट बीटा, उच्च टर्मिनल ग्रोथ रेट और एक अनुमान योग्य नीतिगत माहौल को दर्शाता है।



ब्रोकरेज के बुल-केस सिनेरियो (जिसके होने की संभावना 30 प्रतिशत है) में सेंसेक्स के दिसंबर 2027 तक 105,000 के स्तर तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि बियर-केस सिनेरियो (जिसके होने की संभावना 20 प्रतिशत है) में सूचकांक के 68,000 के स्तर पर रहने का अनुमान है। मॉर्गन स्टेनली के बेस-केस अनुमानों में मजबूत घरेलू विकास, स्थिर वैश्विक आर्थिक स्थितियां, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का समाधान और ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बने रहना शामिल है। इन अनुमानों के आधार पर, ब्रोकरेज फर्म को वित्त वर्ष 2029 तक सेंसेक्स की आय में 18.1 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से वृद्धि की उम्मीद है। मॉर्गन स्टेनली ने निवेश के दृष्टिकोण से रक्षात्मक और निर्यात-उन्मुख व्यवसायों की तुलना में घरेलू चक्रीय क्षेत्रों को प्राथमिकता देती है।

भारतमाला परियोजना: राजस्थान सबसे आगे



जयपुर। एजेंसी

लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, केंद्र की 'भारतमाला परियोजना' के पहले चरण के तहत राजस्थान ने आवंटित राजमार्ग नेटवर्क का 96% काम पूरा कर लिया है। इस तरह, परियोजना को लागू करने के मामले में राजस्थान सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक बनकर उभरा है। चूरू के सांसद राहुल कस्वां के एक सवाल का जवाब देते हुए, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि राजस्थान में आवंटित 2,360 किलोमीटर राजमार्गों में से 2,264 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है, और केवल 96 किलोमीटर का काम अभी भी चल रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर, भारतमाला परियोजना के पहले चरण के तहत आवंटित 26,425 किलोमीटर राजमार्गों में से 22,709 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है। 2017 में मंजूर की गई इस परियोजना का लक्ष्य 5.35 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 34,800 किलोमीटर राजमार्गों का विकास करना है। भारतमाला परियोजना के पहले चरण के तहत सबसे अधिक राजमार्ग लंबाई आवंटित होने वाले राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश 2,495 किलोमीटर के साथ सबसे ऊपर है। इसके बाद राजस्थान (2,360 किमी), महाराष्ट्र (2,174 किमी), मध्य प्रदेश (2,017 किमी) और आंध्र प्रदेश (1,936 किमी) का स्थान है। परियोजना को लागू करने (क्रियान्वयन) के मामले में राजस्थान 96% काम पूरा करके सबसे आगे है। इसके बाद उत्तर प्रदेश (2,196 किमी), महाराष्ट्र (2,000 किमी), मध्य प्रदेश (1,826 किमी) और आंध्र प्रदेश (1,554 किमी) आते हैं।

राज्य में नए राजमार्गों (हाईवे) की मंजूरी में भी बढ़ोतरी देखी गई है। 2025-26 में, केंद्र सरकार ने 9,222 करोड़ रुपये की लागत वाली 508 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी।भारतमाला परियोजनाओं के अलावा, राजस्थान में 600.8 किलोमीटर लंबी 36 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का निर्माण कार्य चल रहा है। पिछले तीन वर्षों में, राज्य में 2,178 किलोमीटर लंबी 63 परियोजनाएं पूरी की गई हैं। केंद्र सरकार ने भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु द्वारा किए गए एक प्रभाव मूल्यांकन (इम्पैक्ट असेसमेंट) का भी हवाला दिया। इस अध्ययन में पाया गया कि भारतमाला परियोजना से लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आई है, बाजारों तक पहुंच बेहतर हुई है, स्कूलों और अस्पतालों तक पहुंचने में लगने वाला समय कम हुआ है, और इससे परिवारों की आय तथा आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि हुई है।

कासवान ने बताया कि भारतमाला के तहत निवेश 5.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने के बावजूद, राजस्थान में जयपुर-सीकर, जयपुर-किशनगढ़ और जयपुर-कोटा जैसे कई राजमार्ग अपनी निर्धारित क्षमता से अधिक ट्रैफिक का बोझ झेल रहे हैं, जिसके कारण वहां भीड़भाड़ और दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि राजमार्गों के विस्तार की योजना सड़कों पर अत्यधिक दबाव आने के बाद नहीं, बल्कि पहले से ही बना ली जानी चाहिए।

खुफिया रिपोर्ट के अनुसार 'डर्टी बम' या रासायनिक हथियार का उपयोग

ईरान पर अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने की योजना का आरोप

वाशिंगटन। एजेंसी

ईरान ने अमेरिका से बदला लेने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। यह दावा किया जा रहा है कि ईरान, अमेरिका के टॉप अधिकारियों को मारने के लिए केमिकल हथियार का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। ईरान ने इस हथियार को 'डर्टी बम' कहा है। हालांकि 'डर्टी बम' की खबरों को तेहरान ने सिरे से खारिज किया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस खुफिया जानकारी से वाकिफ सात अमेरिकी अधिकारियों ने बताया है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को साबुत मिले हैं कि ईरान वाशिंगटन, डीसी में ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने की योजना बना रहा है। इसके लिए ईरान रेडियोएक्टिव 'डर्टी बम' या रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। खुफिया जानकारी में अमेरिकी राजधानी में कुछ संभावित जगहों और लक्ष्यों का जिक्र है, जिसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने अपनी सुरक्षा को और दुरुस्त कर लिया है। हालांकि, अधिकारियों ने ष्टहह्म को बताया कि इन तैयारियों का मतलब यह नहीं है कि कोई हमला तुरंत होने वाला है या ईरान ने वास्तव में ऐसी किसी साजिश को अंजाम देने का फैसला कर लिया है।

युद्ध को आगे खींचना चाहता है ईरान : यूएस

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि यह खुफिया जानकारी इस बात का इशारा हो सकती है कि ईरान युद्ध को मध्य पूर्व से आगे बढ़ाने पर विचार कर रहा है, क्योंकि उसे अमेरिकी सैन्य दबाव और आर्थिक नाकेबंदी का सामना करना पड़ रहा है। दो अधिकारियों ने संभावित खतरे से निपटने के लिए बताया कि पिछले एक हफ्ते में कई बैठकें हुई हैं। यह खुफिया जानकारी ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे टकराव को खत्म करने के लिए राजनयिक प्रयास रुके हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते कहा था कि यह युद्ध काफी जल्दी खत्म हो जाएगा, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव अभी भी बना हुआ है।



तेहरान कर सकता है अमेरिकी क्षेत्र में हमला

सूत्रों के हवाले से सीएनएन ने बताया कि अमेरिकी अधिकारी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि तेहरान अमेरिकी क्षेत्र के अंदर हमले करने पर विचार कर सकता है। अधिकारियों के बीच मतभेद है कि क्या ईरान के पास ऐसा ऑपरेशन चलाने के लिए जरूरी लोग और क्षमता है या नहीं। वहीं कुछ अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि हमले में इस्तेमाल किए जा सकने वाले रेडियोधर्मी पदार्थ या रासायनिक एजेंट पहले ही देश के अंदर लाए जा चुके हो सकते हैं।

'डर्टी बम' क्या है?

डर्टी बम एक पारंपरिक विस्फोटक है, जिसे किसी इलाके में रेडियोएक्टिव पदार्थ फैलाने के लिए डिजाइन किया जाता है। परमाणु हथियार से अलग, यह परमाणु विखंडन (न्यूक्लियर फिशन) रिएक्शन पर निर्भर नहीं होता और न ही इससे कोई परमाणु विस्फोट होता है। हालांकि एक डर्टी बम परमाणु हथियार की तुलना में काफी कम विनाशकारी होता है, लेकिन यह रेडियोएक्टिव पदार्थ फैलाकर आस-पास के इलाकों को दूषित कर सकता है, जिससे गंभीर बिमारी हो सकती है। ये धमकियां ऐसे समय में सामने आई हैं जब अमेरिका और ईरान के बीच 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को लेकर टकराव चल रहा है। इस तनाव को खत्म करने और अमेरिकी नाकेबंदी को हटाने के लिए की जा रही राजनयिक कोशिशों से अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है।

लुधियाना में पिकअप की खड़े टिप्पर से टक्कर, तीन की मौत

लुधियाना। माछीवाड़ा में देर रात श्रद्धालुओं से भरी एक महिंद्रा पिकअप टेंपो सड़क किनारे खड़े टिप्पर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। मृतकों में एक महिला और दो किशोर शामिल हैं। हादसे के बाद टेंपो चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार माछीवाड़ा की गुरु कॉलोनी के रहने वाले करीब 30 लोग सोमवार सुबह हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में स्थित शक्तिपीठ नैना देवी के दर्शन करने गए थे। दर्शन करने के बाद सभी टेंपो में सवार होकर वापस लौट रहे थे।

अखिलेश और राहुल की दिल्ली में होने वाली बड़ी बैठक अचानक टली

लखनऊ। एजेंसी

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर होने वाली अहम बैठक अचानक टल गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और राहुल गांधी के बीच मंगलवार को दिल्ली में मुलाकात होनी थी। इसमें गठबंधन के तहत सीटों के तालमेल पर चर्चा की जानी थी, लेकिन अब बैठक को तीन से चार दिन के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। अखिलेश सोमवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। बैठक टलने के पीछे सीटों को लेकर दोनों दलों के बीच चल रही रणनीतिक तैयारी को अहम वजह माना जा रहा है। कांग्रेस ने सोमवार को दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई बैठक के बाद यूपी की 181 विधानसभा सीटों पर अपना दावा पेश किया था। दूसरी तरफ कांग्रेस ने यूपी में चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में प्रदेश की सियासी रणनीति को लेकर बैठक हुई। इसमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद और कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता वीरेंद्र चौधरी शामिल हुए।



न्यूज विंडो

सीआरपीएफ हमले का आरोपी उमर डार ऑपरेशन में मारा गया

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में पिछले सप्ताह सीआरपीएफ कर्मियों पर हुए हमले में शामिल एक आतंकवादी मारा गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि लश्कर-ए-तैयबा (स्रह्ल) के आतंकवादी लतीफ भट्ट की तलाश जारी है, जो प्रारंभिक घेराबंदी से बच निकला था। अधिकारियों के अनुसार, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। स्थानीय पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि हमले में शामिल दो युवक कुलगाम के लारू बाईपास के पास घूम रहे हैं। सुरक्षा बलों की हलचल देखकर दोनों संदिग्ध पास के दो स्कूलों की ओर भागे। इन स्कूलों में छात्र मौजूद थे, जो एक सेब के बाग के पास स्थित थे। सूचना मिलने पर सेना और सीआरपीएफ की नजदीकी इकाइयां भी अभियान में शामिल हो गईं।

जनता फ्लैट में रुई के गोदाम में आग, लाखों का सामान राख

पटना। बिहार की राजधानी पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र स्थित जनता फ्लैट के पास मंगलवार सुबह रुई के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। सुबह करीब चार बजे लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि गोदाम में रखी रुई और अन्य सामान जलकर राख हो गए। वहां खड़ी एक मोटरसाइकिल भी आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद आसपास के घरों में रहने वाले लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, दमकल की तीन से चार गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब चार बजे जनता फ्लैट के पास स्थित रुई के गोदाम में अचानक आग लग गई।

पेरू में विदाई सभा के दौरान फेंकी गई रोजरी माला पोप लियो की आंख के पास लगी

लीमा। एजेंसी

दक्षिण अमेरिका की अपनी 12 दिवसीय यात्रा के समापन के दौरान सोमवार को पेरू में एक विदाई प्रार्थना सभा के बीच एक अप्रत्याशित घटना देखने को मिली। अपने फुर्तीलेपन के चलते भीड़ से फेंकी गई चीजों को लपकने के लिए मशहूर 71 साल के पोप लियो इस बार चूक गए और भीड़ के ओर से फेंकी गई एक वस्तु (संभवतः प्रार्थना माला) उनकी आंख के पास लग गई। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब पोप लीमा के एक एयरबेस पर अपने विशेष वाहन पोपमोबाइल में सवार होकर रोम लौटने की तैयारी से पहले वहां जमा हजारों श्रद्धालुओं का अभिवादन कर रहे थे।

यह पूरी घटना कैमरे में कैद हुई है। सामने आई तस्वीरों और वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि प्रार्थना सभा के रास्ते से गुजरते समय भीड़ में से किसी श्रद्धालु ने पोप के आशीर्वाद के लिए एक



वस्तु उनकी ओर फेंकी। पोप उसे पकड़ नहीं पाए और वह सीधे उनके चेहरे पर आंख के पास लगी, जिसके तुरंत बाद वे अपनी आंख मलते हुए नजर आए। हालांकि इस घटना के बाद भी पोप ने अपना दौरा जारी रखा और उनकी तरफ से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि उन्हें कोई चोट लगी है। अपने उपदेश में उन्होंने पेरू के लोगों को उनकी मेहमाननवाजी के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने पेरू की अपनी छह दिवसीय यात्रा के दौरान देश को अपना गृह देश भी कहा। 71 साल के पोप लियो टेनिस खेलने के शौकीन हैं और अपनी उम्र के लिहाज से काफी चुस्त-दुरुस्त माने जाते हैं।

गोलीबारी में दो सुरक्षा कर्मी घायल, हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

ब्रोंक्स। एजेंसी

सोमवार को न्यूयॉर्क शहर के ब्रोंक्स में स्थित 'को-ऑप सिटी' अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। यहां एक बंदूकधारी ने दो सुरक्षा अधिकारियों को गोली मारकर घायल कर दिया। साथ ही घटना के बाद आरोपी ने खुद को एक अपार्टमेंट में बंद कर लिया। न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के अनुसार, बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाके को घेर लिया। कुछ ही समय बाद हमलावर अपार्टमेंट के अंदर मृत पाया गया।पुलिस के मुताबिक, उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घायल दोनों अधिकारियों की हालत गंभीर नहीं बताई गई है।

धर्मशाला: विधानसभा के बाहर भाजपा का प्रदर्शन

धारा 118 और बेनामी सौदों को लेकर सुक्खू सरकार पर साधा निशाना

धर्मशाला। एजेंसी

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार हिमाचल के हितों से जुड़े फैसले बाहरी निवेशकों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से ले रही है। प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखे हमले किए। भाजपा ने हिमाचल प्रदेश टेनेंसी एंड लैंड रिफॉर्म्स एक्ट की धारा 118 से जुड़े प्रावधानों में कथित छूट और संशोधन के प्रयासों पर सवाल उठाए। विपक्ष का आरोप है कि ऐसे फैसलों से प्रदेश में जमीन से जुड़े नियमों और स्थानीय लोगों के हितों पर असर पड़ सकता है। इसके साथ ही भाजपा ने कथित बेनामी जमीन सौदों और रियल एस्टेट से जुड़े मामलों को भी प्रदर्शन का मुद्दा बनाया। पार्टी का कहना है कि इन मामलों में पारदर्शिता जरूरी है और सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। भाजपा ने शिमला स्थित ऐतिहासिक होटल पीटरहॉफ को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि पीटरहॉफ की बुकिंग बंद की जा रही है और इसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत बाहरी निवेशकों को सौंपने की तैयारी है।

मेट्रो एंकर राजस्थान के अजमेर में लगने वाले पुष्कर मेले में ढाई साल की उम्र में लोगों की चर्चा का केंद्र बना भैंसा

मेले में छाया 1500 किलो का भैंसा 'अमन', अच्छी कीमत मिली तो बिकेगा

अजमेर। एजेंसी

राजस्थान के अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले में इस बार एक विशालकाय भैंसा लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। जाफरावादी नस्ल के इस भैंसे का नाम 'अमन' है और इसका वजन करीब 1500 किलोग्राम बताया जा रहा है। महज ढाई साल की उम्र में इतना भारी-भरकम शरीर देखकर मेले में आने वाले पशुप्रेमी भी हैरान हैं। कोई इसके साथ तस्वीरें खिंचवा रहा है तो कोई वीडियो बनाकर इसकी विशाल कद-काठी को कैमरे में कैद कर रहा है। खास बात यह है कि अमन की देखभाल के लिए दो व्यक्ति लगे रहते हैं और रोजाना नारियल तेल से उसकी मालिश की जाती है।

छोटी आंखें और भारी सिर, दूर से खींच रहा ध्यान



पुष्कर मेले में देश के अलग-अलग हिस्सों से कई खास नस्लों के पशु पहुंचे हैं। कोई अपनी लंबाई तो कोई खूबसूरती और वजन के कारण चर्चा में है। इसी बीच 1500 किलो वजनी अमन ने भी अपनी अलग पहचान बना ली है। इसकी छोटी-छोटी आंखें, भारी-भरकम सिर और विशाल शरीर लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। अमन को देखने के लिए मेले में आने वाले लोग उसके आसपास जुट रहे हैं। पशुप्रेमी उसकी बनावट और कद-काठी को करीब से देख रहे हैं। कई लोग उसके साथ तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। ढाई साल की उम्र में करीब 1500 किलो वजन होने का दावा ही इसे मेले के चर्चित पशुओं में शामिल कर रहा है।

नसीराबाद के कैलाश गुर्जर लेकर पहुंचे हैं 'अमन'

अमन को लेकर नसीराबाद क्षेत्र के लेवरा गांव निवासी कैलाश गुर्जर पुष्कर मेले में पहुंचे हैं। उनके मुताबिक, अमन जाफरावादी नस्ल का भैंसा है। कम उम्र में ही उसका वजन और विशाल शरीर उसे दूसरे पशुओं से अलग बनाते हैं। मेले में कैलाश गुर्जर अपने भैंसे को प्रदर्शित कर रहे हैं, ताकि पशुपालक और खरीदार उसकी खूबियों को देख सकें। अमन के विशाल शरीर को देखते हुए उसकी देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। उसकी सेवा और रखरखाव के लिए दो व्यक्ति लगे रहते हैं। नियमित देखभाल के साथ उसके शरीर पर नारियल तेल से मालिश की जाती है। मालिक के अनुसार, उसके खानपान और रखरखाव का भी खास ध्यान रखा जाता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524